राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार 18 अगस्त 2023 वर्ष-6,अंक-207 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री ने प्रख्यात वैज्ञानिक वी.एस. अरुणाचलम के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को प्रख्यात वैज्ञानिक और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वी.एस. अरुणाचलम के निधन पर दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने अरुणाचलम को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके निधन से वैज्ञानिक समुदाय में एक बड़ा खालीपन आ जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट संदेश में कहा, डॉ. वी.एस. अरुणाचलम का निधन वैज्ञानिक समुदाय और रणनीतिक दुनिया में एक बड़ा खालीपन छोड़ गया है। उनके ज्ञान, अनुसंधान के प्रति जुनून और भारत की सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में समृद्ध योगदान के लिए उनकी बहुत प्रशंसा की गई। उनके परिवार और शुभचिंतकों के प्रति संवेदनाएं। ओम शांति। उल्लेखनीय है कि पूर्व डीआरडीओ प्रमुख 87 वर्ष के थे। उनके परिवार ने बुधवार को एक बयान में कहा कि उनका अमेरिका के कैलिफोर्निया में निधन हो गया।

मणिपुर में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण, तलाशी अभियान में 8 हथियार और 112 गोला-बारूद किए गए बरामद

इंफाल। मणिपुर में अभी भी अशांति का माहौल बना हुआ है। सुरक्षा बलों के तलाशी अभियान के दौरान हिंसा प्रभावित मणिपुर के विभिन्न जिलों से आठ आग्नेयास्त्र और 112 राउंड गोला-बारूद बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा बलों ने छह विस्फोटक भी जब्त किये। पुलिस ने एक बयान में कहा कि ये बरामदगी बुधवार को बिष्णुपुर, चुराचांदपुर, तेंगनौपाल, कांगपोकपी और इंफाल पश्चिम जिलों से की गई। इसमें कहा गया, गोलीबारी की छिटपुट घटनाओं और प्रदर्शनकारियों के एकत्र होने से राज्य में स्थिति तनावपूर्ण है। इसके अलावा, टेंग्नौपाल जिले में छह बंकरों को नष्ट कर दिया गया है।

इंडिया गठबंधन में घमासान ? दिल्ली से मुंबई तक छिड़ा संग्राम, बिहार में भी असमंजस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के विजयी रथ को रोकने के लिए कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दलों ने मिलकर हाल ही में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस का गठन किया है। इसकी दो बैठकें हो चुकी हैं। तीसरी बैठक 31 अगस्त से मुंबई में होने वाली है। हालांकि, इस बैठक से पहले सहयोगियों के बीच घमासान मचा हुआ है। दिल्ली में जहां अरविंद केजरीवाली की आम आदमी पार्टी (क्क) से ठन चुकी है। वहीं, महाराष्ट्र में शरद पवार और अजित पवार की गुप्त मीटिंग ने भी कांग्रेस की धड़कनें बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दिल्ली दौरा और अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि स्थल पर जाना चौंकाने वाला कदम है।

इंडिया गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी (आप) के साथ नई दोस्ती कांग्रेस की दिल्ली यूनिट का रास नहीं आ रही है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रतिनिधियों ने इसे स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने आलाकमान के सामने अरविंद केजरीवाल की पार्टी के प्रति अपना विरोध जोरदार ढंग से रखा है। साथ ही दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर कांग्रेस के चुनाव लड़ने की वकालत भी कर दी है।

दिल्ली कांग्रेस का केजरीवाल सरकार पर पलटवार

एआईसीसी प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा, बैठक में मौजूद दिल्ली कांग्रेस के पदाधिकारी के एक ही विचार के थे कि दिल्ली दिशाहीन हो गई है क्योंकि आप सरकार ने 15 साल की शीला दीक्षित सरकार द्वारा किए गए सभी अच्छे कार्यों को खत्म कर दिया है। पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए काम को आप सरकार और एलजी के शासन ने बर्बाद कर दिया है। इसलिए, दिल्ली कांग्रेस के नेताओं ने नेतृत्व को बताया है कि पार्टी को इन दोनों पार्टियों (आप और बीजेपी) की जनविरोधी नीति का विरोध करना चाहिए।

2025 में सीएम नहीं बनेंगे केजरीवाल

इतना ही नहीं, कांग्रेस नेता अनिल चौधरी ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए यहां तक कह दिया कि 2025 में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री नहीं होंगे। उन्होंने दावा किया कि 2024 में भी दिल्ली में कांग्रेस की शानदार जीत होगी। कांग्रेस नेताओं के बयान से गठबंधन में दरार के साफ संकेत मिलते हैं।

'आप' का भी पलटवार

आम आदमी पार्टी ने हालांकि ऐसे बयान देने वाले कांग्रेस नेताओं पर पलटवार किया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सीट शेयरिंग पर इंडिया गठबंधन के घटक दल आपस में बैठकर चर्चा करेंगे। ये बहुत छोटे-छोटे नेता हैं। इनमें से कई के जमानत भी जब्त हो चुके हैं। सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक, आप की नजर कांग्रेस नेताओं के बयानों पर है। एक नेता ने यह भी कहा है कि अगर कांग्रेस ने सभी सात सीटों पर चुनाव लड़ने का मन बना लिया है तो मुंबई की बैठक में जाने का क्या फायदा।

शरद पवार ने बढ़ाई कांग्रेस की परेशानी

अब बात महाराष्ट्र की। वहां के राजनीतिक गलियारों में शरद पवार के एनडीए में शामिल होने को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा था कि एनसीपी के दिग्गज नेता शरद पवार या उनकी बेटी सुप्रिया सुले को केंद्रीय कैबिनेट में जगह की पेशकश की गई है। हालांकि, शरद पवार ने बाद में बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। लेकिन जानकारों का मानना है कि शरद पवार को लेकर कुछ भी अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल है। इस बात के संकेत इससे भी मिल रहे हैं कि एनसीपी से बगावत करने के बाद भी अजीत पवार अपने चाचा से लगातार मिल रहे हैं। इतना ही नहीं, कानून लड़ाई भी काफी धीमी हो चुकी है।

दिल्ली में पूरी हो सकती है आप की 'मुराद', सर्वे में केजरीवाल के लिए क्या खुशखबरी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में करीब 7 महीने का समय बच गया है। 26 दलों के 'इंडिया' गठबंधन और एनडीए के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की उम्मीद है। देश की तरह दिल्ली की 7 सीटों पर भी नजरें टिकी हुई हैं। पिछले दो लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजधानी की सभी सीटों को क्लीन स्वीप किया है। पिछले दस साल में दो बार विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी (आप) अपने सबसे बड़े गढ़ में लोकसभा चुनाव में खाता नहीं खोल पाई है। इस बीच, एक ताजा सर्वे में भविष्यवाणी की गई है कि इस बार 'आप' की मुराद पूरी हो सकती है। एक न्यूज चैनल की ओर से बुधवार को प्रसारित ताजा सर्वे के मुताबिक इस बार कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ने से दिल्ली में 'आप' का खाता खुल सकता है। इंडिया गठबंधन को 1-2 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि, दोनों दलों के साथ लड़ने की सूरत में भी भाजपा का दबदबा कायम दिख रहा है। भगवा कैंप को 5-6 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गई है। इससे पहले आए दो सर्वे में भी दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की पार्टी को 1-2 सीटें मिलने की बात कही गई है।

किसको कितना वोट

ताजा सर्वे की मानें तो एनडीए को दिल्ली में 52.30 फीसदी वोट मिल सकते हैं। वहीं, आप और कांग्रेस को साझा रूप से 44.90 फीसदी वोट मिलने की भविष्यवाणी की गई है। अन्य के खाते में 2.80 फीसदी वोट जा सकते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में दिल्ली में आप को महज 18 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा ने 56.58 फीसदी वोट शेयर पर कब्जा किया था।

लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार

ईटीजी टाइम्स नाउ नवभारत के सर्वे के मुताबिक देश में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बन सकती है। पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए को 296-326 सीटें मिल सकती हैं। 26 दलों वाले 'इंडिया' गंठबंधन को 160-190 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। वाईएसआरसीपी को 24-25, बीआरएस को 9-11, बीजेपी को 12-14 और अन्य को 11-14 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है।

जानवरों के अंग भी होंगे ट्रांसप्लांट?

सुअर की किडनी इंसान के शरीर में एक महीने से कर रही काम

नई दिल्ली। क्या भविष्य में जानवरों के अंगों को मानव शरीर में ट्रांसप्लांट किया जा सकेगा? प्रत्यारोपण के लिए अंगों की कमी को देखते हुए अकसर यह सवाल पूछा जाता है और इसका जवाब हां भी हो सकता है। दरअसल हाल ही में न्यूयॉर्क में डॉक्टरों की एक टीम ने सुअर की किडनी मानव शरीर में डाल दी, जो बीते एक महीने से सामान्य ढंग से काम कर रही है। इससे मेडिकल साइंस में एक नई क्रांति की उम्मीद जगी है। यह प्रत्यारोपण ब्रेन डेड शरीर में किया गया है। जानवरों के अंगों से मानव जीवन को बचाने की कोशिश के तहत यह एक बड़ा प्रयोग माना जा रहा है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी ने इस एक्सपेरिमेंट के बारे में जानकारी दी। शोधकर्ताओं का कहना है कि वह

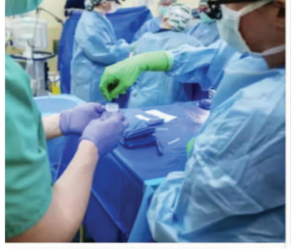

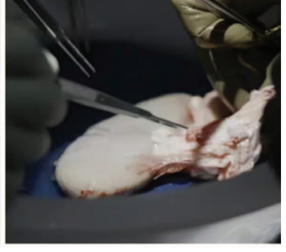

एक और महीने तक देखेंगे कि आखिर अल्बेट नाम के मृत व्यक्ति के शरीर में वह किडनी कैसे काम करती है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के ट्रांसप्लांट इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर डॉ. रॉबर्ट मॉन्टगोमरी ने बताया, क्या यह मनुष्य के अंग के तौर पर ही काम कर रहा है? अभी तक तो ऐसा ही लगता है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि सुअर की लगाई किडनी तो मनुष्य के अंग से भी ज्यादा बेहतर ढंग से काम कर रही है। डॉक्टर ने बताया कि 14 जुलाई को अल्बेट के शरीर से उनकी वास्तविक किडनी को निकालकर सुअर की किडनी ट्रांसप्लांट की गई थी। इसके तुरंत बाद देखा गया कि यह किडनी काम कर रही थी और यूरिन का प्रॉसेस जस का तस था। इससे यह संभावना पैदा हुई है कि प्रत्यारोपण के लिए मानव अंगों की कमी सुअर की किडनी से पूरी की जा सकती है। ब्रेन डेड अल्बेट की बहन ने कहा कि मेरे भाई चाहते थे कि वह दुनिया की मदद करें। इसलिए हमने उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए उनके शरीर को प्रयोग के लिए डोनेट किया। उन्होंने कहा कि वह तो अब मेडिकल की किताबों में जगह पाएंगे और हमेशा जिंदा रहेंगे। दशकों से वैज्ञानिक जानवरों के अंगों को मानव शरीर में प्रत्यारोपित करने के प्रयास करते रहे हैं, लेकिन असफलता हाथ लगी है। अब शोधकर्ता जेनेटिकली मोडिफाइड सुअरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस ट्रायल ने उन्हें सफलता की एक किरण दिखाई और इस दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

उदयपुर के 13 निशानेबाजों का राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में चयन

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर के 13 होनहार निशानेबाजों का राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है।

कोच प्रवीणसिंह ने बताया कि पिछले दिनों जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में प्रदेश के 5500 निशानेबाजों ने भाग लिया,जिसमें उदयपुर स्थित द लीजेंड शूटिंग रेंज के 18 निशानेबाजों ने भी भाग लिया। उसमें से शहर के 13 निशानेबाजों का चयन राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता के लिए हुआ। सिंह ने बताया कि पिछले 1 वर्ष से कड़ी मेहनत और लगन से सभी विद्यार्थियों ने यह मुकाम हासिल किया। द लीजेंड शूटिंग रेंज

के निदेशक गजेंद्र सिंह राणावत ने इन खिलाड़ियों को विशेष कोचिंग प्रदान की है।

उन्होंने बताया कि चयनित निशानेबाज में महिला वर्ग में कृष्णा, जयश्री राठौर, साक्षी राजपूत, पूर्णिमा मिश्रा तथा अक्षिता शर्मा तथा पुरुष वर्ग में आशीष सिंह, जयेश बागड़ी, कुलश्रेष्ठ गोस्वामी, हर्षवर्धन राठौर, शिव राज सिंह, ध्रुव पोरवाल, नीतीश सेवरिया तथा मनन गुप्ता का चयन हुआ।

अफसरों की ड्रेसिंग पर टिप्पणी और बेवजह पेशी पर बुलाने से बचें जज, सरकार ने बनाई आचार संहिता

नई दिल्ली। सरकारी अधिकारियों को अदालत में व्यक्तिगत तौर पर पेशी से बचाने के लिए केंद्र सरकार एक प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इसके तहत जजों के लिए एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर का ड्राफ्ट तैयार किया गया है, जिसे सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तावित किया गया है। इसके तहत जजों से कहा जाएगा कि वह बेहद अहम मामलों में ही सरकारी अफसरों को निजी तौर पर पेशी के लिए बुलाएं। इसके अलावा अफसरों को नोटिस देते समय यह भी बताएं कि उनकी हाजिरी क्यों जरूरी है। यही नहीं यदि संभव हो तो पेशी के लिए उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का विकल्प देना चाहिए। सरकार का कहना है कि उसने ऐसा प्रस्ताव इसलिए तैयार किया है ताकि अदालत की अवमानना के मामलों को सीमित किया जा सके। इसके अलावा सरकारी अफसरों के वक्त की बर्बादी को रोकना भी इसका एक मकसद है। उत्तर प्रदेश में हाल ही

में एक मामला सामने आया था, जब दो अफसरों के हाई कोर्ट में पेश न हो पाने पर उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की गई थी। इसके तहत हाई कोर्ट ने दो वरिष्ठ अधिकारियों को अरेस्ट करने का ही आदेश दे दिया था। इसी को मद्देनजर सरकार जजों के लिए एसओपी तैयार कर रही है। सरकार की ओर से तैयार एसओपी का ड्राफ्ट अदालत को सौंपते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट या फिर उच्च न्यायालयों में अहम मामलों में ही तलब करना चाहिए। ऐसा तभी होना चाहिए जब पॉलिसी से जुड़े मामले में उनकी जरूरत हो या फिर अवमानना का ही केस हो। यही नहीं उन्होंने अदालतों में अफसरों को अपमानित किए जाने की घटनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कई बार सही ड्रेस न पहने होने को वजह बताते हुए अफसरों को अपमानित किया गया। यह गलत है। कोई भी अफसर अदालत का कर्मचारी नहीं है। ऐसे में उनकी ड्रेसिंग पर सवाल नहीं उठाने चाहिए।

अफसरों पर जजों को टिप्पणी भी न करने की नसीहत

सओपी में जजों को सलाह दी गई है कि वे सरकारी अफसरों की ड्रेसिंग और उनके शैक्षणिक एवं सामाजिक बैकग्राउंड पर टिप्पणी न करें। तुषार मेहता ने कहा कि सरकारी अफसर अदालत के कर्मचारी नहीं होते। इसलिए उनकी ड्रेस को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। बता दें कि इलाहाबाद हाई कोर्ट की ओर से दो अफसरों को गिरफ्तार करने का आदेश दिए जाने के बाद सरकार सुप्रीम कोर्ट चली गई थी। वहां चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी थी। इ

सके साथ ही केंद्र सरकार से कहा था कि वह जजों के लिए एक एसओपी भी तैयार करे।

यूपी के इस मामले के बाद तैयार हुई SOP

दरअसल उच्च न्यायालय के रिटायर्ड जजों को सुविधाएं मुहैया कराने के आदेश पर अमल न किए जाने पर कोर्ट ने यूपी के वित्त सचिव और विशेष वित्त सचिव की गिरफ्तारी का ही आदेश पारित कर दिया था। इसी मामले के बाद एसओपी तैयार की गई है। इसमें कहा गया है कि सरकारी अफसरों को बेहद जरूरी होने पर ही पेशी के लिए बुलाया जाए।

कार के बोनट पर लटकी महिला, 500 मीटर तक घसीटता रहा ड्राइवर

हनुमानगढ़। राजस्थान के हनुमानगढ़ से एक खौफनाक वीडियो सामने आया है। यहां एक कार ड्राइवर ने बीच बाजार महिला को कई मीटर तक घसीटा। इस दौरान लोग महिला को बचाने के लिए दौड़े लेकिन ड्राइवर ने कार नहीं रोकी। यह पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल कार चालक और महिला के बारे में कोई जानकारी नहीं मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

क्या है मामला

हनुमानगढ़ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें एक कार ड्राइवर महिला को बोनट पर करीब 500 मीटर तक घसीटते हुए नजर आ रहा है। महिला को बचाने के लिए कई लोग कार के पीछे भागते दिख रहे हैं, लेकिन ड्राइवर ने अपनी गाड़ी नहीं रोकी। पुलिस ने बताया कि कथित घटना बुधवार दोपहर हनुमानगढ़ के मेन बस स्टैंड के पास घटित हुई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

अज्ञात के खिलाफ केस

पुलिस ने बताया कि कई सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद कार का नंबर स्पष्ट हो गया, जो रावला के किसी व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत है। पूरी घटना बस स्टैंड के आसपास लगे सीसीटीवी

कैमरों में कैद हो गई। पुलिस महिला और कार चालक की तलाश कर रही है। पुलिस पता लगाने

राजस्थान के हनुमानगढ़ से एक खौफनाक वीडियो सामने आया है। एक कार ड्राइवर ने बीच बाजार महिला को कई मीटर तक घसीटा।

की कोशिश कर रही है कि घटना के वक्त कार में कितने लोग सवार थे। महिला की तरफ से अभी कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

बीजेपी का गहलोत पर निशाना

इसी बीच, पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बुधवार को अपने एक्स, (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर घटना का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, सत्ता के संरक्षण में बदमाशों ने थामी अपराध की स्टेयरिंग! राजस्थान के हनुमानगढ़ में दिनदहाड़े बदमाश कार के बोनट पर एक महिला को घसीट रहे हैं। गहलोत जी, रोजाना सरेआम जब ऐसी वारदात महिलाओं के साथ हो रही हैं तो क्या आपको अंदाजा भी है कि पूरे राजस्थान में आपके कुशासन में महिलाओं का क्या हाल कर दिया है।

संपादकीय

मंडराती आपदा

पहाड़ों पर लगातार मंडराती आपदा बहुत दुखद और चिंताजनक है। लगातार बारिश, बादल फटने, भूस्खलन और सड़क अवरुद्ध होने के चलते हिमाचल प्रदेश में अब तक 60 और उत्तराखंड में 50 से ज्यादा लोगों की जान गई है, जबकि घायल नागरिकों और वाहनों को मलबे से निकालने का अभियान जगह-जगह जारी है। इतना ही नहीं, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में भी भारी बारिश की आशंका जताई है। पहाड़ों पर कुछ ज्यादा बारिश हो रही है, जिससे दिल्ली में यमुना का जलस्तर इस साल दूसरी बार मंगलवार को खतरे के निशान को पार कर गया। पहाड़ों पर अनेक बांध लबालब हो गए हैं, जिससे कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। लोगों को सुरक्षा बलों की मदद से निकालना पड़ रहा है। जगह-जगह लोग फंसे हुए हैं और मदद का इंतजार कर रहे हैं। चूंकि इतनी बड़ी आपदा की आशंका नहीं थी, इसलिए सभी जरूरतमंदों तक पहुंचने के लिए सरकारों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। हिमाचल में एक अनुमान लगाया गया है कि राज्य को करीब 10,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है और बुनियादी ढांचे को फिर से विकसित करने में लगभग एक साल का समय लग जाएगा। भारी बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और बुधवार को स्कूल, कॉलेज बंद रखने के आदेश देने पड़े हैं। वाकई, स्कूल जैसे संस्थान खोलने में ज्यादा तेजी नहीं करनी चाहिए, जान की सुरक्षा सर्वोपरि है। जिन इमारतों के ढहने की आशंका है, उन्हें युद्ध स्तर पर खाली करवाने की जरूरत है। शिमला के समर हिल और कृष्णा नगर जैसे हादसों को भूलना मुश्किल है। ऐसे हादसों को लेकर केवल हिमाचल व उत्तराखंड में ही नहीं, पंजाब सरकार भी सचेत है। बड़े बांधों के निचले इलाकों में उचित ही रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। भाखड़ा बांध के अलावा पोंग बांध से भी पानी छोड़ना पड़ रहा है। इन बांधों का भरना जहां एक ओर खुशी की बात है, वहीं इनके निचले इलाकों में लोगों की नींद हराम हो रही है। लोग चाहते हैं, बारिश कुछ थम जाए, ताकि बाढ़ का खतरा और न बढ़े। इसमें कोई शक नहीं है कि जिम्मेदार महकमे बांधों की मजबूती पर पूरी निगाह रख रहे होंगे। किसी भी तरह के हादसे की आशंका से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। इस बार आपदा के जो दृश्य देखे गए हैं, उनकी व्यापक विवेचना जरूरी है। उन दृश्यों से आंखें फेरकर हम समाधान की ओर नहीं बढ़ पाएंगे। बड़े-बड़े आवास को लोगों ने ढहते देखा है। यह सवाल उठना लाजिमी है कि बिना नींव के बने विशालकाय घर आखिरी टिके कैसे थे? क्या विशालकाय घर बनाने से पहले पहाड़ की ताकत के बारे में विचार नहीं किया गया था? हिमालय के पूरे क्षेत्र में किस तरह के पहाड़ हैं, यह बात किसी से छिपी नहीं है। फिर भी जिस तरह से हिमालय की देह पर शहरों और बस्तियों का बोझ बढ़ता जा रहा है, चिंता का बढ़ना स्वाभाविक है। हिमालय की एक धारण क्षमता है, जिसका ध्यान हमें जरूर रखना चाहिए। कथनी से सरकारी फाइलें भरी हुई हैं, लेकिन उनमें से कितने उपाय वास्तव में हमारी करनी में उतर रहे हैं? लोगों ने सरकारी निर्देशों की कितनी पालना की है? अब समय आ गया है, हमें हिमालय और स्वयं अपने प्रति ज्यादा ईमानदार होना पड़ेगा। अत्यधिक बारिश और भूस्खलन से बचने के लिए पहाड़ पर रहने वाले हर नागरिक को सोचना होगा।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

स्वतंत्रता संग्राम के अजेय सेनापति बाजीराव प्रथम

(लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

पेशवा बाजीराव प्रथम (श्रीमन्त पेशवा बाजीराव बल्लाळ भट्ट) (1700 - 1740) महान सेनानायक थे। वे 1720 से 1740 तक मराठा साम्राज्य के चौथे छत्रपति शाहूजी महाराज के पेशवा (प्रधानमन्त्री) रहे। इनका जन्म चितपावन कुल के ब्राह्मण परिवार में हुआ। इनको बाजीराव बल्लाळ तथा थोरले बाजीराव के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें लोग अपराजित हिन्दू सेनानी सम्राट भी कहते थे। इन्होंने अपने कुशल नेतृत्व एवं रणकौशल के बल पर मराठा साम्राज्य का विस्तार (विशेषत: उत्तर भारत में) किया। इसके कारण ही उनकी मृत्यु के 20 वर्ष बाद उनके पुत्र के शासनकाल में मराठा साम्राज्य अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच सका। बाजीराव प्रथम को सभी 9 महान पेशवाओं में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

इनके पिता पेशवा बालाजी विश्वनाथ भी छत्रपति शाहूजी महाराज के पेशवा थे। बचपन से बाजीराव को घुड़सवारी करना, तीरन्दाजी, तलवार भाला, बनेठी, लाठी आदि चलाने का शौक था। 13-14 वर्ष की खेलने की आयु में बाजीराव अपने पिताजी के साथ घूमते थे। उनके साथ घूमते हुए वह दरबारी चालों व रीतिरिवाजों को आत्मसात करते रहते थे। यह क्रम 19-20 वर्ष की आयु तक चलता रहा। जब बाजीराव के पिता का अचानक निधन हो गया तो मात्र बीस वर्ष की आयु के बाजीराव को शाहूजी महाराज ने पेशवा बना दिया।

जब महाराज शाहू ने 1720 में बालाजी विश्वनाथ के मृत्यूपरान्त उसके 19 वर्षीय ज्येष्ठपुत्र बाजीराव को पेशवा नियुक्त किया तो पेशवा पद वंशपरम्परागत बन गया। अल्पवयस्क होते हुए भी बाजीराव ने असाधारण योग्यता प्रदर्शित की। पेशवा बनने के बाद अगले बीस वर्षों तक बाजीराव मराठा साम्राज्य को बढ़ाते रहे। उनका व्यक्तित्व अत्यन्त प्रभावशाली था; तथा उनमें जन्मजात नेतृत्वशक्ति थी। अपने अद्भुत रणकौशल, अदम्य साहस और अपूर्व संलग्नता से, तथा प्रतिभासम्पन्न अनुज श्रीमान चिमाजी साहिब अप्पा के सहयोग द्वारा शीघ्र ही उसने मराठा साम्राज्य को भारत में सर्वशक्तिमान् बना दिया।इसके लिए उन्हें अपने दुश्मनों से लगातार लड़ाईयाँ करना पड़ी। अपनी वीरता, अपनी नेतृत्व क्षमता व युद्ध-कौशल योजना द्वारा यह महान वीर हर लड़ाई को जीतता गया। शिवाजी महाराज की तरह वह बहुत ही कुशल घुड़सवार थे। घोड़े पर बैठे-बैठे भाला चलाना, बनेठी घुमाना, बन्दूक चलाना उनके बाएँ हाथ का खेल था। घोड़े पर बैठकर श्रीमन्तबाजीराव के भाले की फेंक इतनी जबरदस्त होती थी कि सामने वाला घुड़सवार अपने घोड़े सहित घायल हो जाता था।

> जब महाराज शाहू ने 1720 में बालाजी विश्वनाथ के मृत्यूपरान्त उसके 19 वर्षीय ज्येष्ठपुत्र बाजीराव को पेशवा नियुक्त किया तो पेशवा पद वंशपरम्परागत बन गया। अल्पवयस्क होते हुए भी बाजीराव ने असाधारण योग्यता प्रदर्शित की। पेशवा बनने के बाद अगले बीस वर्षों तक बाजीराव मराठा साम्राज्य को बढ़ाते रहे। उनका व्यक्तित्व अत्यन्त प्रभावशाली था; तथा उनमें जन्मजात नेतृत्वशक्ति थी। अपने अद्भुत रणकौशल, अदम्य साहस और अपूर्व संलग्नता से, तथा प्रतिभासम्पन्न अनुज श्रीमान चिमाजी साहिब अप्पा के सहयोग द्वारा शीघ्र ही उसने मराठा साम्राज्य को भारत में सर्वशक्तिमान् बना दिया इसके लिए उन्हें अपने दुश्मनों से लगातार लड़ाईयाँ करना पड़ी।

इस समय भारत की जनता मुगलों के साथ-साथ अंग्रेजों व पुर्तगालियों के अत्याचारों से त्रस्त हो चुकी थी। ये भारत के देवस्थान तोड़ते, जबरन पन्थ परिवर्तन करते, महिलाओं व बच्चों को मारते व भयंकर शोषण करते थे। ऐसे में श्रीमन्तबाजीराव पेशवा ने उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक ऐसी विजय पताका फहराई कि चारों ओर उनके नाम का डंका बजने लगा। लोग उन्हें शिवाजी का अवतार मानने लगे। श्रीमन्तबाजीराव पेशवा में शिवाजी महाराज जैसी ही वीरता व पराक्रम था तो एक अपवाद छोड़कर लगभग वैसा ही उच्च चरित्र भी था।

शकरखेडला में श्रीमन्त पेशवा ने मुबारिज़खाँ को परास्त किया। (1724)। मालवा तथा कर्नाटक पर प्रभुत्व स्थापित किया (1724-26)। पालखेड़ में महाराष्ट्र के परम शत्रु निजामउलमुल्क को पराजित कर (1728) उससे चौथ तथा सरदेशमुखी वसूली। फिर मालवा और बुन्देलखण्ड पर आक्रमण कर मुगल सेनानायक गिरधरबहादुर तथा दयाबहादुर पर विजय प्राप्त की (1728)। तदनन्तर मुहम्मद खाँ बंगश को परास्त किया (1729)। दभोई में त्रिम्बकराव को नतमस्तक कर (1731) उसने आन्तरिक विरोध का दमन किया। सीदी, आंग्रिया तथा पुर्तगालियों एवं अंग्रेजो को भी बुरी तरह विजित किया। दिल्ली का अभियान (1737) उनकी सैन्यशक्ति का चरमोत्कर्ष था। उसी वर्ष भोपाल में श्रीमन्तबाजीराव पेशवा ने फिर से निजाम को पराजय दी। अन्तत- 1739 में उन्होनें नासिरजंग पर विजय प्राप्त की। बाजीराव प्रथम को एक महान घुड़सवार सेनापति के रूप में जाना जाता है और इतिहास के उन महान योद्धाओं में बाजीराव का नाम आता है जिन्होंने कभी भी अपने जीवन में युद्ध नहीं हारा और बाजीराव प्रथम ने अपने जीवन में एक भी युद्ध नहीं हारा और यह उनकी महानता को दर्शाता है। अमेरिकी इतिहासकार बर्नार्ड माण्टोगोमेरी के अनुसार बाजीराव पेशवा भारत के इतिहास का सबसे महानतम सेनापति था और पालखेड़ युद्ध में जिस तरीके से उन्होंने निजाम की सेनाओं को पराजित किया उस वक्त सिर्फ बाजीराव प्रथम ही कर सकते थे उसके अलावा भारत या भारतीय उपमहाद्वीप में यह सब करने की क्षमता किसी और से नहीं थी। बाजीराव प्रथम और उनके भाई चिमाजी अप्पा ने बेसिन के लोगों को पुर्तगालियों के अत्याचार से भी बचाया जो जबरन धर्म परिवर्तन करवा रहे थे और यूरोपीय सभ्यता को भारत में लाने की कोशिश कर रहे थे जिसके चलते 1739 में अन्तिम दिनों में अपने भाई चिमाजी अप्पा को भेजकर उन्हें पुर्तगालियों को निस्तनाभूत कर दिया और वसई की सन्धि करवा दी।

1720 ईसवी में छत्रपति शाहू ने बाजीराव प्रथम को मराठा साम्राज्य का पेशवा नियुक्त किया जिसके बाद कई सारे बड़े मन्त्री उनसे नाराज हो गए जिसके कारण उन्होंने युवा सरदारों को अपने साथ में लाना शुरू कर दिया जिनमें मल्हारराव होलकर, राणोजीराव शिन्दे आज भी शामिल थे इन सब ने मिलकर सम्पूर्ण भारत पर अपना प्रभाव जमाने को कर दिया बाजीराव प्रथम प्रथम सबसे बड़ी जीत 1728 में पालखेड की लड़ाई में हुई जिसमें उन्होंने निजाम की सेनाओं को पूर्णतया दलदली नदी के किनारे ला खड़ा किया अब निजाम के पास आत्मसमर्पण के अलावा कुछ नहीं बचा था। और 6 मार्च 1728 को उन्होंने मुंगी शेवगाव की सन्धि की। जिसमे निजाम हैदराबाद के साथ जिसके तहत उन्होंने ढक्कन में सरदेशमुखी और चोथ को लेने का अधिकार दे दिया। और शाहु को मराठा साम्राज्य का वास्तविक छत्रपति घोषित कर दिया और सम्भाजी द्वितीय को कोल्हापुर का छत्रपति। उसके बाद बाजीराव ने कई और लड़ाई लड़ी परन्तु 1737 में बाजीराव ने दिल्ली पर चढ़ाई करी और वह सआदत अली खान की सेना जो कि करीब एक लाख की सेना थी उसको लोग अपनी चाल को चलते उस को चकमा देकर दिल्ली की ओर निकल गए और उन्होंने चिमाजी अप्पा को करीब 10,000 की सेना को लेकर निजाम को रोकने के लिए छोड़ दी थी अभी दिल्ली में लाल किले के सामने पहुँचे जहाँ मोहम्मद शाह जो कि मुगल सम्राट से उनको देखकर इतना घबरा गए कहीं जाकर छुप गए। वहाँ लूट कर बाजीराव वापस पुणे की ओर वापस लौटे जहाँ पर मोहम्मद शाह रंगीला ने साआदत अली खान और हैदराबाद के निजाम को लिखा कि आप बाजीराव को पुणे से पहले ही रोक ले जिसकी बाजीराव सामना भोपाल के निकट निजाम से हुआ जिसमें बाजीराव की सेना ने दोनों की सेनाओं को हरा कर दोराहा भोपाल की सन्धि की मालवा का सम्पूर्ण क्षेत्र मराठो को प्राप्त हो गया इससे मराठों का प्रभाव सम्पूर्ण भारत में स्थापित बाजीराव ने 1730 मे शनिवार वाड़ा पुणे में उसका निर्माण करवाया और पुणे देशों की राजधानी नियुक्ति की।

बाजीराव ने हिन्दु-शाही का वादा किया और सभी हिन्दुओं को एक कर विदेशी शक्तियों के खिलाफ लड़ने का बीड़ा उठाया। उन्होंने 1739 में अपने भाई की चिमाजी की सेनाओं पुर्तगालियों को बेसिन पराजित कर वसई की सन्धि कर ली जिसके तहत पुर्तगालियों के अभद्र पूर्ण व्यवहार से भारतीय जनता को बाजीराव प्रथम ने बचा लिया बाजीराव प्रथम बहुत ही महान और काबिल हिन्दू योद्धा थे सम्पूर्ण भारत में बाजीराव प्रथम का खौफ फैला हुआ था यहाँ तक कि जयपुर के राजा जयसिंह द्वितीय भी उनके लिए काफी तारीफ करते हैं। 1731 में उन्होंने महाराजा छत्रसाल की बेटी से विवाह किया और बुन्देलखण्ड का एक तिहाई हिस्सा मराठा साम्राज्य में मिला लिया उन्होंने मोहम्मद खान बंग्स की सेना को पराजित कर महाराजा छत्रसाल को जय उसे बचा लिया और वापस उनका बुन्देलखण्ड राज्य को लौटा दिया इसे प्रसन्न होकर उन्होंने अपनी पुत्री मस्तानी का विवाह बाजीराव से कर दिया।

लोक आस्था का पर्व है बिहुला विषहरी

(लेखिका - निमिषा सिंह)

प्राचीन भारत के सोलह महाजनपदों में से एक अंगदेश (वर्तमान बिहार के भागलपुर, मुंगेर जिलों के आसपास का क्षेत्र) की राजधानी चम्पा में (वर्तमान में भागलपुर जिले के नाथनगर के चंपानगर) पौराणिक काल से चली आ रही बिहुला-विषहरी पूजा की परंपरा आज भी कायम है। केवल बिहार ही नही बल्कि झारखंड बंगाल उड़ीसा और आसाम के कुछ क्षेत्रों में भी बिहुला विषहरी की पूजा की जाती है। चंपा नगर इस पौराणिक मान्यता का उद्भव स्थल है। यहीं पर माता विषहरी को सती बिहुला के कारण ख्याति प्राप्त हुई। अंग देश महाभारत के यशस्वी पात्र दानवीर राजा कर्ण की धरती के नाम से जानी जाती है। चम्पा यानि मौर्य काल के सम्राट अशोक की माँ सुम्भाद्रांगी का स्थान। जैनियों के 12 वें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य के पंचकल्याणक की चम्पा। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पूर्व निदेशक एवं भागलपुर के एतिहासिक विषयों पर लिखने वाले शिवशंकर सिंह पारिजात कहते हैं कि बिहुला विषहरी की कहानी को बंगाल में मनसा मंगल काव्य में भी जाना जाता है। विक्रमशिला विश्वविद्यालय के उत्खनन में धातु की बनी विषहरी की दो मूर्तियां भी मिली थीं। एन एल डे ने अपनी किताब एनसिएंट ज्योग्राफी ऑफ इंडिया में लिखा है कि विहुला विषहरी की घटना चंपानगर में घटित है। इसी चम्पा में 6ठी शताब्दी के आसपास विख्यात शिव भक्त चांदो सौदागर हुए जिनका प्रभुत्व एवं व्यापार चारो दिशाओं में फैला हुआ था। चंपा नगरी तब जलमार्ग के रास्ते व्यापार का केंद्र हुआ करती थी। कहा जाता है कि पूर्व काल (6 ठी शताब्दी पूर्व) में धरती पर शिव परिवार के साथ नागों की पूजा को सम्मान नहीं मिला था। इन्हीं नागों की अधिष्ठात्री देवी बिषहरी मनसा हैं इनकी चार बहनें, मैं, दिति, जया और पद्मा थी। इन पांचो बहनों का आविर्भाव भगवान शिव की जटा से होने के कारण ये शिव की मानस कन्याएं सम्मिलित रूप से मनसा के नाम से चर्चित हैं। भगवान शिव की मानस पुत्री होने के बाद भी मनसा की पूजा शिव परिवार के तरह नहीं हो रही थी जबकि उनके परिवार के ही पार्वती गणेश कार्तिकेय भैरव नंदी आदि की पूजा हो रही थी। जिसकी वजह से मनसा बिषहरी असंतुष्ट रहती थी और इस समस्या को लेकर वो भगवान शिव के पास गयीं। शिकायत सुनकर शिव ने कहा- पृथ्वी पर चम्पापुरी में एक सौदागर चंद्रधर अर्थात चांदो सौदागर मेरे विख्यात एवं कट्टर भक्त हैं। सर्वप्रथम उसी सौदागर से तुम पूजा लो। अगर वह तुम्हे पूजा दे देगा तो तुम्हारी पूजा इस पृथ्वी पर शिव परिवार की तरह होने लगेगी। मनसा बिषहरी चम्पापुरी के चांदो सौदागर के पास प्रगट हुईं और उस सौदागर से अपनी पूजा मांगी। लेकिन चांदो सौदागर ने पूजा देने की बजाय उनकी भर्त्सना कर डाली। परिणाम स्वरूप सौदागर के छह पुत्रों को मनसा-बिषहरी के कोपभाजन का शिकार होना पड़ा। सभी सर्प दंश के शिकार हुए। कट्टर शिव भक्त चांदो सौदागर फिर भी बिषहरी पूजा को तैयार नहीं हुए। कुछ समय बाद सौदागर को बाला लखीन्दर के रूप में 7वां पुत्र हुआ। बिषहरी के श्राप के अनुसार बाला लखीन्दर की मृत्यु सर्पदंश से सुहागरात के दिन सुनिश्चित थी। हठी सौदागर ने भगवान विश्वकर्मा का आह्वान कर लोहा बांस का एक ऐसे दुगेद्य भवन बनाने को कहा जिसमें सुरक्षा को लेकर कोई छेद न छोड़ने को कहा गया। इस बात का पता चलते ही विषहरी ने कारीगर को बुलाकर एक छोटी सी सुराग मकान की दीवार में छोड़ देने पर राजी कर लिया जिसे आसानी से देखा नहीं जा सकता था। बाला लखीन्दर का विवाह नवगछिया के पास उजानी गांव के बासु सौदागर की पुत्री बिहुला से हुआ। लोहा बांस के दुगेध्य भवन में बाला लखीन्दर अपनी नवोढा पत्नी बिहुला के साथ सुहाग रात में शयन-कक्ष में था। मध्य रात्रि में नागदंश का शिकार हो गया। जिस नागिन ने बाला लखिंदर को डसा वह बिहुला के ही बहन थी। नागदंश का शिकार होते ही बाला लखीन्दर के उपचार एवं सर्पदंश झाड़ के लिए चम्पापुरी के तद्युगीन वैद्य एवं ओझा धनोव्तर गुरु एवं केशो झारखंडी को बुलाया गया। लेकिन देवी बिषहरी ने उन्हें रोक दिया। फलस्वरूप तेज विष के कारण बाला लखीन्दर की मृत्यु हो गयी। मृत्युपरांत सती-साध्वी बिहुला पति के पुनर्जीवन के लिए संकल्प बद्ध हो विश्वकर्मा का आह्वान किया और विशाल नौका पर कई मंजिलों वाली मंजुषा बनवाई। उसे लहसन माली ने विविध चित्रों से सजाया। उसी मंजुषा पर बिहुला अपने पति के पार्थिव शरीर को लेकर चम्पापुरी से स्वर्ग के लिए जलमार्ग से प्रस्थान किया। जलमार्ग की विभिन्न आपदाओं एवं कठिनाइयों को पार करते हुए समुद्र सी फैली गंगा को पारकर बिहुला इन्द्रासन पहुँच गयी ।बिहुला ने अपने सतीत्व तेज एवं अकाल भक्ति नृत्य से भगवान इन्द्र को प्रसन्न कर लिया। भगवान इन्द्र ने उन्हें मनवांछित वर मांगने को कहा। बिहुला ने अपने पति समेत 6 वों ज्येष्ठों का जीवन दान को मांग लिया। भगवान इन्द्र ने सहर्ष उसकी मांगें स्वीकार कर लीं। फिर क्या था- सातों भाई के साथ बिहुला चम्पापुरी अपने ससुराल लौटी जहां बिहुला का स्वागत हुआ। बिशहरी प्रकट हुई और बिहुला के समक्ष पुन:अपनी पूजा का प्रश्न रखा। बिहुला के ससुराल के सभी लोगों ने 'बिषहरी-मनसा' को पूजा देना स्वीकार कर लिया लेकिन चांदो सौदागर अपनी जगह अडिग रहा। उसकी घोषणा थी की मेरा दाहिना हाथ शिव की पूजा को ही अर्पित है इसलिए मैं पूजा-नमन मात्र भगवान शिव की ही करूँगा। सबों ने मिलकर हठी सौदागर को देवी बिषहरी मनसा की पूजा देने के लिए मना लिया। चांदो सौदागर ने हामी तो भरी लेकिन अपने बांयें हाथ से 'मनसा-बिषहरी' को पूजा के लिए फुल और नैवेद्य अर्पित किये। पूजा के लिए भव्य मनसा-बिषहरी मंदिर का निर्माण किया गया। कहा जाता है तभी से मनसा देवी की पूजा शिव की मानस कन्या के रूप में होने लगी। उसी वक्त बिषहरी ने बिहुला को आशीष दिया कि दुनिया कि सती नारियों में उसका स्थान सुरक्षित रहेगा और मनसा पूजा के साथ ही बिहुला भी पूजी जायेंगी। बिहुला (अंगिका में) या बेहुला (बांग्ला में) मध्यकालीन बांग्ला साहित्य में मनसा मंगल एवं इसी प्रकार के कई अन्य काव्यकृतियों की नायिका है। तेरहवीं से अट्ठारहवीं शती की अवधि में इस कथा पर आधारिक बहुत सी रचनाएं लिखी गई जिनका धार्मिक उद्देश्य मनसा देवी की महत्ता का प्रतिपादन करना था किन्तु ये कृतियाँ बेहुला एवं एवं उनके पति बाला लखिन्दर के पवित्र प्रेम के लिये अधिक जाने जाते हैं। बिहुला विषहरी पूजा से ठीक 1 माह पूर्व मंदिरों में माता की प्रतिमा की नीव रखी जाती है। कलश पूजन के साथ महिलाएं शोभा यात्रा निकालती है। बाद में कलश को मंदिरों में स्थापित किया जाता है। विषहरी पूजा के एक महीने पहले से ही अंग प्रदेश के कोने कोने में भक्तों एवं भजन मंडली द्वारा मनसा देवी के लोकगीतों गाए जाते है। पारंपरिक तरीकों से ही मंदिरों में इसकी तैयारी शुरू हो जाती है। 17अगस्त को स िह नक्षत्र प्रवेश के साथ ही माता बिषहरी की प्रतिमा स्थापित की जाती है। आधी रात को मां विषहरी की प्रतिमा का पट खुलते ही पूजा शुरू हो जाती है।।

सुबह सवेरे से ही महिलाएं डलिया चढ़ाने एकत्रित होने लगती है। संध्या में बाला लखेंद्र की बारात धूमधाम से शहर और आसपास के मुहल्ले में निकाली जाती है। उसके बाद रात में शादी की रस्म अदा होती है। तदोपरांत सर्पदंश होगा और बिरला विधवा हो जाएगी। सारी रस्में पूरी परंपरा के अनुसार निभाई जाती है।

विचार मंथन

तेज गति से बढ़ता टोल शुल्क महंगाई का कारण बना

(लेखक - सनत जैन)

भारत में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण बड़े पैमाने पर रोड बना रहा है। भारत माला जैसी परियोजनाओं के लिए भारी कर्ज लिया जा रहा है। रोडें अब धीमी गति से बन रही है। रोड बनने के पहले ही टोल शुरू हो जा रहा है। जिन रोड़ों पर टोल टैक्स लग रहा है। बीच-बीच में उनकी हालत बड़ी खस्ता है। मरम्मत भी नहीं हो पा रही है। इसके बाद भी वाहन चालकों से भारी टोल वसूल किया जा रहा है। पिछले 10 सालों से टोल टैक्स लगभग हर साल बढ़ाया जा रहा है। हर साल सरकार 5 से 10 फ़ीसदी टोल टैक्स बढ़ा देती है। 75 फ़ीसदी टोल वाणिज्यिक वाहनों से प्राधिकरण को प्राप्त होता है। 25 फ़ीसदी टोल टैक्स सामान्य चार पहिया वाहनों से वसूल होता है। 2 रुपये प्रति किलोमीटर से ज्यादा टोल टैक्स की वसूली, लाइट मोटर व्हीकल से की जा रही है। वाणिज्य वाहनों में यह वसूली और भी ज्यादा है। जिसके कारण तेजी के साथ हर चीज महंगी हो रही है। बाजार में महंगाई बढ़ती चली जा रही है। वाणिज्यिक वाहनों से टोल में हजारों रुपए टैक्स के रूप में वसूल किया जा रहे हैं। जिसके कारण महंगाई दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रही है। लंबी दूरी पर चलने पर ट्रकों से 20 से 30000 रुपये टोल टैक्स के रूप में चुकाने होते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कर्ज लेकर रोड बना रहा है। कर्ज लेकर जो रोड बन रही है। वह काफी धीमी गति से बन रही है। लागत के मुकाबले आय कम होने से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अपना कर्ज भी नहीं चुका पा रहा है। सितंबर 2022 तक राष्ट्रीय राजमार्ग का कर्ज 3.48 लाख करोड रुपए हो गया है। जो भारत की जीडीपी का 3.4 फ़ीसदी है। 2014 से 2022 के बीच में यह कर्ज 14 गुना से ज्यादा बढ़ गया है। जिसके कारण कर्ज के मकडजाल में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण बुरी तरह फंस गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 2019 में चिट्ठी लिखकर कर्ज कम करने की चेतावनी प्राधिकरण को दी थी। उसके बाद भी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का कर्ज कम होने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। 2014 के बाद से प्राधिकरण द्वारा अंधाधुंध कर्ज लिया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण की लागत 30 फ़ीसदी से ज्यादा बढ़ गई है। दबाव में कई ऐसी परियोजनाओं को शुरू कर लिया गया है। जो किसी भी तरीके से लाभदायक और जरूरी नहीं है। सड़क निर्माण की रफ्तार भी तेजी के साथ घट गई है। पहले प्रतिदिन 37 किलोमीटर सड़क तैयार हो रही थी। जो अब घटकर 20 किलोमीटर पर आ गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण भारी आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। पिछले 5 वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का कर्ज 47 फ़ीसदी बढ़ गया है। जबकि आय में केवल 7.3 फ़ीसदी का इजाफा हुआ है। प्राधिकरण चाहता है, कि सड़कों पर टोल बढ़ाया जाए। हर साल 5 से 10 फ़ीसदी बढ़ाया भी जा रहा है। टोल अब इतना ज्यादा हो गया है, कि इससे ज्यादा यदि वसूल किया गया। तो लोगों की नाराजगी सड़कों पर खुलकर सामने आ जाएगी। टोल के कारण महंगाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। कर्ज की समस्या से निपटने के लिए सरकार,इन सड़कों को बेचकर, निजी क्षेत्र को देने का मन बना लिया है। सरकार हाईवे बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रही है। लेकिन ढंग के ग्राहक भी सरकार को नहीं मिल पा रहे हैं। जो पुराने निवेशक हैं। वह घाटे के कारण बाहर निकालने की तैयारी कर रहे हैं। महंगाई और ब्याज दर बढ़ने के कारण टोल कंपनियों को टोल से कमाई की उम्मीद कम हो गई है। जिसके कारण राष्ट्रीय

राजमार्ग प्राधिकरण की मुसीबतें अब दिनों दिन बढ़ने वाली हैं। कर्ज के भार से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कराहने लगा है। टोल प्लाजा पर जिस तरह से शुल्क बढ़ाया जा रहा है। अब उसकी नाराजी भी देखने को मिलने लगी है। टोल का खर्च और ईंधन का खर्च लगभग लगभग बराबर होने की स्थिति पर आ गया है। जो सबसे बड़ी चिंता का कारण है।

आईनॉक्स विंड प्रवर्तकों ने कर्ज चुकाने 500 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली । आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) ने कहा कि उसके प्रवर्तक तथा प्रवर्तक समूह की इकाइयों ने कर्ज चुकाने के लिए कंपनी में 500 करोड़ रुपए का निवेश किया है। कंपनी ने बीएसई को दी जानकारी में बताया कि शेयर बाजार में उसके प्रवर्तक तथा प्रवर्तक समूह की इकाइयों ने आईनॉक्स विंड की इक्विटी शेयर की बिक्री के माध्यम से धन जुटाया। आईनॉक्स विंड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैलाश ताराचंदानी ने कहा कि आईडब्ल्यूएल के प्रवर्तकों के नेतृत्व में हाल ही धन जुटाने की पहल और उसके बाद पूंजी निवेश ने कंपनी की वित्तीय स्थिति को काफी हद तक मजबूत किया है। आईनॉक्स विंड आईनॉक्स जीएफएल समूह का एक हिस्सा है।

18 करोड़ तरल डीएपी की बोतलों के उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली । उर्वरक मंत्रालय द्वारा तरल उर्वरक के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। अगले साल अप्रैल 2024 तक देश के 3 प्लांटों में 18 करोड़ तरल डीएपी की बोतलों का उत्पादन शुरू हो जाएगा। वर्तमान में दो प्लांट में उत्पादन शुरू हो चुका है। जल्द ही गांधी धाम प्लांट में उत्पादन शुरू हो जाएगा। इफको ने दावा किया है,कि वह अप्रैल 2024 तक 18 करोड़ बोतल तरल डीएपी का उत्पादन करेगी। 2022-23 में यूरिया का उत्पादन 17 फ़ीसदी कम हुआ है। डीएपी के आयात में 30 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। पारदीप एवं गुजरात के कलोल में उत्पादन शुरू हो गया है। तीनों यूनिटों में अगले साल अप्रैल तक 6-6 करोड़ बोतलों का उत्पादन होगा। यह उत्पादन 90 लाख टन दानेदार डाई अमोनियम फास्फेट के बराबर होगा। देश में प्रतिवर्ष डीएपी की लगभग 145 लाख टन की मांग होती है। जबकि उत्पादन मात्र एक तिहाई हो पाता है।

ग्लेनमार्क को जेनेरिक टैक्रोलिमस ऑइंटमेंट के लिए मिली मंजूरी

नई दिल्ली । ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने कहा कि उसे जेनेरिक टैक्रोलिमस ऑइंटमेंट के लिए अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से मंजूरी मिल गई है। इसका इस्तेमाल मध्यम से गंभीर ऐटोपिक डरमैटिटिस के उपचार के लिए किया जाता है। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने टैक्रोलिमस ऑइंटमेंट 0.03 प्रतिशत, प्रोटोपिक ऑइंटमेंट के सामान्य संस्करण, लियो फार्मा एएस के 0.03 प्रतिशत के लिए मंजूरी दी है।

मत्स्य पालन पर असर डालने वाली बीमारियों पर शोध का अनुरोध

नई दिल्ली । केंद्रीय मत्स्यपालन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और केंद्रीय मृदु-जल जीवपालन संस्थान (सीआईएफए) को ऐसी बीमारियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिससे हर साल मछली-पालन उद्योग को भारी नुकसान पहुंचता है। अे धिकारी ने भुवनेश्वर में आईसीएआर-सीआईएफए और राष्ट्रीय मृदु-जल मछली ब्रूड बैंक (एनएफएफबीबी) की गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने दोनों संस्थानों से किसानों के बीच विकसित प्रौद्योगिकी और सर्वोत्तम प्रबंधन प्रक्रियाओं के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए कदम उठाने का भी आग्रह किया। उन्होंने ओडिशा में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। राज्य सरकार के अधिकारियों को केंद्र और राज्य योजनाओं के तहत उन्हें सहायता देने का निर्देश दिया।

6 लाख से कम कीमत में कई ऑटोमैटिक कारें मौजूद

-इनमें आल्टो के 10 से लेकर सेलेरियो तक शामिल

नई दिल्ली।

अगर आप कार खरीदने के इच्छूक है और आपका बजट 6 लाख रुपये है और तो आज हम आपके लिए कारों की लिस्ट लेकर आए हैं। आल्टो कार मारुति की सबसे सस्ती ऑटोमैटिक कार में से एक है। इस कार की एक्स शोरूम कीमत 5.61 लाख रुपये से शुरू होती है। इस ट्रांसमिशन के साथ ऑल्टो के 10 को वीएक्सआई वेरिएंट को खरीदा जा सकते हैं। कंपनी की ओर से इंजन एक लीटर की क्षमता वाले इंजन का इस्तेमाल किया गया है। मारुति की ओर से एस प्रेसो को भी ऑटोमैटिक ऑप्शन के साथ ऑफर किया जाता है। इसके वीएक्सआई वेरिएंट को दो ट्रिम के ऑप्शन के साथ ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में ऑफर किया जाता है। इसमें एक लीटर के क्षमता वाला इंजन मिलता है। इसकी कीमत 5.76 लाख रुपये है। आपको बता दें, रेनो की ओर से क्विड को ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ लाया जाता है। इसके दो वेरिएंट में एक लीटर इंजन के साथ ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दिया गया है। इसकी कीमत 6.12 लाख रुपये से शुरू होती है। मारुति सेलेरियो को ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के ऑप्शन के साथ ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से इसमें एक लीटर का पेट्रोल इंजन दिया जाता है। ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ इसके वीएक्सआई और जेडएक्सआई वेरिएंट को ऑफर किया जाता है। इसकी कीमत 6.38 लाख रुपये से शुरू होती है। बता दें कि भारतीय बाजार में आजकल ऑटोमैटिक कारों को काफी अधिक पसंद किया जाता है। इसी को देखते हुए वाहन निर्माता कंपनियां और भी ऑटोमेटिक कार को लोगों के बजट में लेकर आ रही है।

नीदरलैंड की जीडीपी में 0.3 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली ।

यूरोपीय देश नीदरलैंड में जनता की चिंता बढ़ गई है। दरअसल, डच अर्थव्यवस्था मंदी में प्रवेश कर चुकी है। स्टेटिस्टिक्स नीदरलैंड द्वारा जारी एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक, नीदरलैंड की जीडीपी में लगातार दूसरी तिमाही में भी गिरावट दर्ज हुई है। दूसरी तिमाही में नीदरलैंड की जीडीपी में 0.3 फीसदी की गिरावट आई है। साल के पहले तीन महीनों में 0.4 फीसदी गिरावट के बाद डच अर्थव्यवस्था लगातार दूसरी तिमाही में सिकुड़ गई। डच अर्थव्यवस्था, यूरो जोन की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था मानी जाती है। नीदरलैंड में आर्थिक वृद्धि 2021 और 2022 में लगभग 5 फीसदी सालाना रही, जो कि कोविड-19 मंदी से तेजी से उबरने के कारण थी। महामारी के बाद पहली मंदी उपभोक्ता खर्च और निर्यात में गिरावट के कारण आई। बढ़ती महंगाई ने नीदरलैंड और उसके ट्रेडिंग पार्टनर में खाने-पीने की चीजों की कीमतें और एनर्जी बिलों को बढ़ा दिया है। साल 2023 की शुरुआत के पहले तीन महीनों में ही देश में उपभोक्ता खर्च में 1.6 फीसदी की गिरावट आई जबकि निर्यात में 0.7 फीसदी की गिरावट आई। नीदरलैंड में महंगाई पिछले साल सितंबर में 14.5 फीसदी के शिखर पर पहुंचने के बाद से कम हुई है।

डायबिटीज और डिप्रेशन सहित कई दवाएं हुई सस्ती

नई दिल्ली । डायबिटीज और हार्ट की बीमारी सहित कई दवाओं की कीमत अब फिक्सड कर दी गई है। दरअसल दवा मूल्य नियामक राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण ने 44 वां नई दवाएं फॉर्मूलेशन की खुदरा कीमतें तय की हैं। बैठक में शामिल एक वरिष्ट अधिकारी ने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में बताया कि डायबिटीज, दर्द, फिवर, इंफेक्शन, हार्ट की बीमारी सहित कई मल्टी विटामिन और डी-3 दवाओं की कीमतें तय कर दी गई है। दवा कंपनी को एक आदेश जारी किया गया है जिसमें आम नागरिकों से दवा की कीमत और उस पर लगे जीएसटी ही ले सकेगी। वहीं, स्ट्रेस, मिर्गी, डायबिटीज और हल्के माइग्रेन की दवाएं सस्ती होंगी। एनपीपीए ने कहा है कि सिरदर्द, हल्के माइग्रेन, मस्कुलोस्केलेटल दर्द या पीरियड्स में तेज दर्द को ठीक करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं और इसके साथ ही एसेक्लोफेनाक या बुखार के लिए पेरासिटामोल, सेराटियोपेप्टिडेज की एक गोली की कीमत 8.38 रुपए तय की गई है। वहीं इसके साथ ही टाइप 2 डायबिटीज के मरीज जो दवा का इस्तेमाल करते हैं सीताग्लिप्टिन फॉस्फेट और मेटफार्मिन हाइड्रोक्लोराइड की एक गोली की कीमत 9 रुपए तय की गई है। मिर्गी की बीमारी में इस्तेमाल की जाने वाली दवा लेवेतिरसेटम, सोडियम क्लोराइड आसव और स्ट्रेस में दिए जाने वाली दवा पैरोक्सेटाइन या क्लोनाजेपम कैप्सूल की कीमत 0.89 और 14.53 रुपए निर्धारित की गई है। हालांकि इन सभी दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य में जीएसटी शुल्क अलग है, इसे कंपनियां ग्राहक से तभी वसूल सकेंगी जब उन्होंने खुद जीएसटी का भुगतान किया हो। वहीं, इसके बावजूद अगर कोई दवा की कंपनी अपनी कीमत नहीं करती है तो उसके खिलाफ जीएसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 388 अंक , निफ्टी 100 अंक गिरा

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले नकारात्मक संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 388.40 अंक करीब 0.59 फीसदी नीचे आकर 65,151.02 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,535.14 की ऊंचाई तक जाने के बाद 65,046.10 तक नीचे आया। वहीं दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 99.75 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी नीचे आया है। निफ्टी दिन के अंत में 19,365 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान निफ्टी 19,461.55 तक ऊपर जाने के बाद 19,326.25 तक फिसला।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में आठ 8 शेयर ही लाभ में रहे। टाइटन, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और टाटा स्टील सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा लाभ टाइटन के शेयरों को हुआ। इसके शेयर 2.12 फीसदी तक ऊपर आये। इसके अलावा सन फार्मा, टेक महिंद्रा और भारती एयरटेल के शेयर भी उछले हैं। वहीं दूसरी ओर 22 शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये हैं। आईटीसी, पावर ग्रिड, रिलायंस, एलएंडटी, नेस्ले इंडिया सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। आईटीसी के शेयर सबसे अधिक करीब 2.04 फीसदी तक नीचे आये हैं। वहीं अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के आंकड़े के कारण अमेरिकी बाजार में भी गिरावट का सिलसिला देखने को मिला। एशियाई बाजार में भी गिरावट दर्ज हुई है। बाजार जानकारों के अनुसार फेड की

बैठक के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर दबाव आया जिसका प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। फेड के अधिकांश सदस्य अभी भी महंगाई को एक बड़ा जोखिम मान रहे हैं।

इससे ब्याज दर बढ़ने की आंशका बढ़ गई है और इसी कारण निवेशकों में घबराहट फैली।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत सपाट हुई। सेंसेक्स 41.48 अंक की गिरावट के साथ 65,497.94 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जबकि निफ्टी 21.00 अंक की गिरावट के साथ 19,444 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। सेंसेक्स 63.57 अंक की गिरावट के साथ 65,475.85 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जबकि निफ्टी 9.05 अंक की गिरावट के साथ 19457.10 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के आंकड़े के कारण यूएस बाजार में भी गिरावट का सिलसिला देखने को मिला।

यूएस निवेशक जीक्यूजी ने अडाणी पावर में 8 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

- 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया

नई दिल्ली ।

अमेरिका स्थित बुटीक निवेश फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स समेत अन्य निवेशकों ने अदाणी पावर में 8.1 फीसदी हिस्सेदारी लेने के लिए 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जीक्यूजी ने अब तक के सबसे बड़े सेकेंडरी मार्केट इक्विटी सौदे में अदाणी पावर के 31 करोड़ शेयर खरीदे। उन्होंने कहा कि प्रमोटर अदाणी परिवार ने हिस्सेदारी 9,000 करोड़ से अधिक में बेची। एक रिपोर्ट के अनुसार पोर्ट-टू-पावर कंपनी ने शॉर्ट-सेलर हमले से उबरने के अपने प्रयासों को तेज करते हुए बुधवार को लगभग 1 बिलियन डॉलर के शेयरों के पांच ब्लॉक का कारोबार किया। एक रिपोर्ट में कहा है कि ब्लूमबर्ग द्वारा एकत्र की गई जानकारी के अनुसार, लगभग 310.9 मिलियन शेयरों का कारोबार हुआ। बुधवार के ट्रेडिंग सेशन में, बीएसई पर अदाणी पावर का शेयर प्राइस 2.29 फीसदी कम होकर 279.30 रुपए पर बंद हुआ। हालांकि, कारोबार के समय बायर्स और सेलर्स का पता नहीं चल पाया था। अदाणी परिवार ने अदाणी पावर के शेयर बेचे हैं। अदाणी परिवार के पास इसमें 74.97 फीसदी हिस्सेदारी थी, जिसमें से उन्होंने 31.2 करोड़ शेयर बेच दिए हैं। यह डील लगभग 279.17 रुपए पर हुआ है। स्टॉक मार्केट के आंकड़ों के मुताबिक

जीक्यूजी पार्टनर्स एमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी फंड और गोल्डमैन सैक्स ट्रस्ट 2-गोल्डमैन सैक्स जीक्यूजी पार्टनर्स इंटरनेशल अपॉर्च्यूनिटीज फंड ने इसके 15.2 करोड़ शेयर 279.15 रुपण् के भाव पर खरीदे हैं।

भारत ने नेपाल से टमाटर का आयात शुरू किया

नई दिल्ली । भारत ने नेपाल से टमाटर आयात शुरु कर दिया है। पिछले हफ्ते वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बताया कि घरेलू बाजार में कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि के बीच भारत ने नेपाल से टमाटर का आयात शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि जुलाई में फास्ट फूड श्रृंखला मैकडॉनल्ड्स ने कहा था कि उसने, गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की अनुपलब्धता के कारण, देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में अधिकतर दुकानों में अपने खाने के सामान में टमाटर का उपयोग बंद कर दिया है। उसके बाद, सबवे इंडिया ने भी प्रमुख शहरों में बढ़ती कीमतों की स्थिति से निपटने के लिए टमाटर का उपयोग बंद करने की सूचना दी थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, टमाटर की अखिल भारतीय औसत थोक कीमत 15 अगस्त को घटकर 88.22 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई, जबकि एक महीने पहले यह 97.56 रुपए प्रति किलोग्राम थी। इसी तरह, टमाटर की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत एक महीने पहले के 118.7 रुपए प्रति किलोग्राम से घटकर अब 107.87 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई है। इस बीच मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में टमाटर की ताजा फसल की आवक थोक मंडियों में शुरू हो गई है, जिससे कीमतें कम हो रही हैं।

नए टैबलेट को लॉन्च करने के लिए तैयार शाओमी

- मिलेगी 12जीबी रैम और 14 इंच स्क्रीन

नई दिल्ली ।

चाइनीज कंपनी शाओमी अपने नए शाओमी पेड 6 मैक्स के 14 अगस्त को लॉन्च करेगी। इसके लांचिंग की तैयारी कंपनी कर रही है। चीन की सोशल मीडिया साइट वीबो पर लॉन्च डेट की इसकी घोषणा की है। टैबलेट अगले सप्ताह ग्रे कलर ऑप्शन में आएगा। अपकमिंग टैब के डिजाइन और कुछ खास स्पेसिफिकेशन को शाओमी चीन वेबसाइट पर टीज किया गया है। शाओमी के नए टैब में 14 इंच का डिस्प्ले होगा। पीछे की तरफ इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप होगा। टैबलेट को हाल ही में गीकबेंच वेबसाइट पर भी देखा गया है। शाओमी ने 14 अगस्त को चीन में शाओमी मिक्स फोल्ड 3 और शाओमी बेंड 8 प्रो के साथ शाओमी पेड 6 मेक्स लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी ने लॉन्च पेज को अपनी ऑफिशियल चीन वेबसाइट पर भी लाइव कर दिया है। हालांकि, यह हाल ही में मॉडल नंबर 2307 बीआरपीडीसीसी के साथ गीकबेंच पर दिखाई दिया है। लिस्टिंग से यह भी पता चला है कि टैबलेट स्नैपड्रैगन 8+ जेन 1 प्रोसेसर के साथ आ सकता है क्योंकि इसे कोडनेम टैरो के साथ 3.19जीएचझेड ऑक्टा-कोर प्रोसेसर के साथ देखा गया है। शाओमी के अपकमिंग टैबलेट में 12जीबी तक रैम होने और इसके एमआईयूआई 14 पर बेस्ड एंड्राएड 13 ओएस पर चलने की जानकारी है। गीकबेंच लिस्टिंग पर शाओमी पेड 6 मेक्स को सिंगल-कोर टेस्ट में 1752 अंक और मल्टी-कोर टेस्ट में 4618 अंक मिले हैं। टैब में 10000 एमएएच बैटरी मिलने की बात दी जा रही है। इस बीच, 14 अगस्त के लॉन्च से पहले शाओमी मिक्स फोल्ड 3 का डिजाइन भी टीज किया गया है। इसके रियर पैनल पर लेईका-ब्रांडेड क्वाड-कैमरा सेटअप मिलने की जानकारी दी गई है। फोन को थोड़े कर्व्ड एज और पतले डिजाइन के साथ ब्लैक और क्रीम कलर में पेश किया गया है। टैबलेट की डिजाइन और कुछ

खास डिटेल्स को भी ऑनलाइन टीज किया गया है। वेबसाइट पर दी जानकारी के मुताबिक, इसमें 14 इंच का डिस्प्ले और 8 स्पीकर मिलेंगे। इसके अलावा, इसमें एलईडी फ्लैश के साथ डुअल रियर कैमरा सेटअप भी होगा। टैबलेट के बैक पैनल पर शाओमी की ब्रांडिंग भी होगी। इनके अलावा, कंपनी ने अभी तक अपकमिंग शाओमी पेड 6 मेक्स के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

चीन श्रीलंका को ऋण चुनौतियों से निपटने में करेगा मदद

कोलंबो ।

चीन ने आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका को ऋण चुनौतियों से निपटने में मदद का आश्वासन दिया है। चीन ने यह आश्वासन ऐसे समय में दिया है, जब देश को सितंबर तक अपने बाहरी और घरेलू ऋण पुनर्गठन को अंतिम रूप देना है। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) इस साल मार्च में दिए गए 2.9 अरब डॉलर के राहत पैकेज की पहली समीक्षा करेगा। आईएमएफ 11-19 सितंबर को यह समीक्षा करेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के विदेश मंत्री व विदेश मामलों से जुड़े आयोग के कार्यालय के निदेशक वांग यी ने सातवें चीन-दक्षिण एशियाई एक्सपो के मौके पर श्रीलंका के प्रधानमंत्री दिनेश गुणवरधन से मुलाकात करने वाली केंद्रीय समिति को आश्वासन दिया कि वे देश को उसकी ऋण संबंधी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद करेंगे। विज्ञप्ति में वांग के हवाले से कहा गया कि चीन हमेशा से श्रीलंका का विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार रहा है। वह इस बात की सराहना करता है कि श्रीलंका हमेशा चीन के प्रति मित्रवत रहा है और

अपने मूल हितों से संबंधित मुद्दों पर चीन के साथ खड़ा रहा है। श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार काफी कम होने के बाद द्वीपीय देश अपने सबसे बुरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। देश में जनता पिछले साल ईंधन, उर्वरक के साथ-साथ अन्य जरूरी वस्तुओं की कमी होने के कारण सड़कों पर उतर आई थी।

रिनॉल्ट काइगर है कम बजट वाली बेहतरीन कार

-मात्र 6 लाख के बजट में मिलेगी ये एसयूवी

नई दिल्ली ।

एसयूवी कारें बनाने वाली कंपनियां अब कम कीमत पर भी एसयूवी लॉन्च कर रही हैं। यदि आपका भी बजट कम है तो एक ऐसी एसयूवी भी मौजूद है जो बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स, पावर और स्पेस के साथ आती है। यहां पर बात कर रहे हैं रिनॉल्ट काइगर की। इस कार को लेकर कंपनी ने प्राइस ब्रैकेट का भी ध्यान रखा है जिसके चलते इसे 5 वेरिएंट में ऑफर किया जाता है।

कार की खासियत ये है कि इसे आप केवल 6 लाख रुपये के बजट में भी खरीद सकते हैं। काइगर फिलहाल 6.50 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है और कंपनी इस पर आपको 50 हजार रुपये तक का डिस्काउंट भी ऑफर कर रही है। वहीं इसके टॉप वेरिएंट की बात की जाए तो ये 11.23 लाख रुपये एक्स शोरूम कीमत पर उपलब्ध है। काइगर में आपको कंपनी दो तरह के इंजन ऑफर करती है। इसमें 1.0 पेट्रोल इंजन दिया जाता है जो नैचुरली एस्पिरेटेड है और 72 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। वहीं दूसरा इंजन टर्बो चार्ज्ड है और ये भी 1.0 लीटर का है। ये इंजन

100 बीएचपी की पावर जनरेट करता है। नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन के साथ आपको मैनुअल और एएमटी गियरबॉक्स मिलता है। वहीं टर्बो चार्ज्ड इंन के साथ कंपनी सीवीटी गियर बॉक्स ऑफर करती है। कार में परफॉर्मेंस का भी पूरा ध्यान रखा गया है और इसमें तीन तरह के ड्राइविंग मोड्स ईको, नॉर्मल और स्पोर्ट दिया गया है।काईगर की मेंटेनेंस भी काफी कम है। एक अनुमान के अनुसार काइगर को सामान्य कंडीशंस में 6 से 8 हजार रुपये की मेंटेनेंस लगती है। रिनॉल्ट ने इस कार को पूरी तरह से एक फैमिली व्हीकल के तौर पर प्रोजेक्ट किया है। इसी कारण से इसमें फीचर्स की भरमार है। इसमें आपको वायरलैस मोबाइल चार्जर, एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कार प्ले, 8 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, 7 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, क्लाइमेट कंट्रोल एसी, क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स के सो थ ही पीएम 2.5 एयर फिल्टर भी मिलता है जो सिटी में आपको पॉल्यूशन से बचाएगा।

अब बर्गर किंग ने भी खाना बनाने में टमाटर का उपयोग किया बंद

नई दिल्ली ।

बर्गर और खाने का अन्य सामान बेचने वाली कंपनी बर्गर किंग ने टमाटर की बढ़ती कीमतों के बीच अपने खाने में इस सब्जी का इस्तेमाल बंद कर दिया है। इसके साथ वह रेस्तरां चलाने वाली मैकडॉनल्ड्स और सबवे जैसी कंपनियों की सूची में शामिल हो गई है।

रेस्टुरेन्ट ब्रांड्स एशिया द्वारा देश में 400 रेस्तरां के साथ संचालित बर्गर किंग ने अपनी वेबसाइट पर एक संदेश में अपने भोजन से टमाटर हटाने के कारणों के रूप में गुणवत्ता और आपूर्ति जैसी समस्या का हवाला दिया है। संदेश में कहा गया है कि रेस्टोरेंट ब्रांड्स एशिया लिमिटेड में गुणवत्ता के बहुत ऊंचे मानक हैं क्योंकि हम वास्तविक और प्रामाणिक भोजन परोसने में विश्वास करते हैं। टमाटर की फसल की गुणवत्ता और आपूर्ति के संदर्भ में अनश्चितता रहने के कारण, हम अपने भोजन में टमाटर शामिल करने में असमर्थ हैं। निश्चिंत रहें, हम जल्द ही टमाटर लेकर वापस आएंगे। कंपनी ने ग्राहकों से इस स्थिति के लिए धैर्य बनाये रखने का अनुरोध किया है। कुछ बर्गर किंग इंडिया बिक्रीकेन्द्र ने कथित तौर पर कुछ हास्य के साथ एक नोटिस लगाया है, जिसमें कहा गया है कि यहां तक कि टमाटर को भी छुट्टी की जरूरत है... हम अपने भोजन में टमाटर शामिल करने में असमर्थ हैं। भारी बारिश के कारण आपूर्ति बाधित होने के बीच देश के कुछ हिस्सों में टमाटर की खुदरा कीमत 200 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है।

पृथ्वी चोटिल होने के बाद वनडे कप से बाहर हुए

लंदन । नॉर्थेम्प्टनशॉयर की ओर से यहां काउंटी क्रिकेट में जमकर रन बना रहे भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ को चोटिल होने के कारण वनडे कप बाहर होना पड़ा है। पृथ्वी ने काउंटी में पदार्पण के बाद ही काफी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए चार मुकाबलों में ही 400 से ज्यादा रन बना दिये। इसमें एक दोहरा शतक और एक शतक भी शामिल है। वनडे कप में पिछले चार मुकाबलों में पृथ्वी ने कुल 429 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने 49 चौके और 19 छक्के लगाये। पृथ्वी ने सोमरसेट के खिलाफ खेलते हुए 244 रन की तेज पारी खेली। इसके बाद डरहम के खिलाफ उन्होंने नाबाद 125 रन बनाये। वह एकदिवसीय कप में एक दोहरे शतक और एक शतक के बल पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबालों में से एक हैं। पृथ्वी को कोहनी की चोट के कारण अब इस टूर्नामेंट से बाहर बैठना पड़ेगा। पृथ्वी के लिए एक झटका है क्योंकि वह काउंटी में बेहतर प्रदर्शन कर टीम इंडिया में वापसी के प्रयासों में लगे हैं। पृथ्वी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक से की थी पर इसके बाद वह अपनी लय कायम नहीं रख पाने के कारण टीम से बाहर कर दिये गये थे। आईपीएल में भी असफल रहने के बाद उन्हें सभी प्रारुपों से बाहर कर दिया गया था। पृथ्वी का पिछला घरेलू सीरीज भी अच्छा नहीं गया था।

बुमराह की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों वाली भारतीय टीम का आयरलैंड से पहला टी20 मुकाबला आज

डबलिन ।(एजेंसी)

युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम शुक्रवार को जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में मेजबान आयरलैंड के खिलाफ पहले टी20 क्रिकेट मैच में उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर तीन मैचों की सीरीज में जीत से शुरुआत करना रहेगा। इस मैच में सभी की नजरें बुमराह पर रहेंगी। बुमराह करीब एक साल के बाद इस मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे। इस सीरीज से उनकी फिटनेस के साथ ही लय का भी पता चलेगा। भारतीय टीम प्रबंधन इस दौरे से बुमराह के प्रदर्शन का आंकलन करेगा ओर देखेगा कि वह विश्वकप के लिए फिट है या नहीं क्योंकि वह एकदिवसीय विश्वकप के लिए भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज माने जा रहे हैं। वह पिछले साल टी20 विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के दौरान चोटिल होने के बाद बाहर हो गये थे। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई थी। इस दौरे में पांच दिन के भीतर तीन मैचों में उन्हें अधिकतम 12 ओवर डालने हैं और देखना है कि वे इतने ओवर आराम से फेंक पाते हैं या नहीं। इस सीरीज से पता चलेगा कि मैच फिटनेस के मामले में बुमराह कहां है। पचास ओवरों का प्रारूप हालांकि टी20 से काफी अलग है जिसमें उन्हें दो, तीन या चार ओवर के स्पैल में दस ओवर फेंकने होंगे। बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बुमराह का आयरलैंड पहुंचने पर गेंदबाजी अभ्यास का भी एक वीडियो डाला है जिसमें वह शॉर्ट गेंद और यॉर्कर फेंक रहे हैं। मैच हालात हालांकि बिल्कुल अलग होंगे। ऐसे में टीम प्रबंधन उन्हें लेकर अब ओर जोखिम नहीं लेना चाहता है। इस साल की शुरूआत में एक घरेलू सीरीज के लिए उन्हें शामिल किया गया था पर बाद में उनका नाम वापिस लेना पड़ा। इसके साथ ही उन्हें सर्जरी भी करानी पड़ी थी। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से बुमराह को मैच अभ्यास भी मिलेगा और एशिया कप की तैयारी भी बेहतर होगी। इस दौरे में भारतीय टीम में युवा बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़, रिंकू सिंह और जितेश शर्मा को भी जगह मिली है। इन तीनों ने ही आईपीएल में आक्रामक बल्लेबाजी की थी। अब इनसे आयरलैंड में भी अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। ये तीनो ही इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित करना चाहेंगे जिससे की टीम इंडिया के लिए इनकी दावेदारी पक्की हो सके। बल्लेबाज शिवम दुबे और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचना चाहेंगे। कृष्णा भी चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं जबकि शिवम इस सीरीज से टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे। भारतीय टीम ने इससे पहले भी आयरलैंड दौरे में जीत हासिल की थी और उसका लक्ष्य ये सिलसिला बनाये रखना रहेगा। बल्लेबाजी और गेंदबाजी को देखते हुए भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है।

वहीं दूसरी ओर मेजबान आयरिश टीम के कप्तान एंड्रयू बालबर्नी से भारतीय गेंदबाजों को सावधान रहना होगा। इसके अलावा टीम के पास हैरी टेक्टर, लोरकान टकर और स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश लिटिल ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस की ओर से खेला था और उसे भारतीय खिलाड़ियों के खेलने के अंदाज की जानकारी है।

चार देशों के टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर हॉकी टीम का पहला मुकाबला स्पेन से

डसेलडोर्फ ।(एजेंसी)

भारतीय जूनियर हॉकी यहां शुक्रवार से शुरू हो रहे चार देशों के टूर्नामेंट में पहला मुकाबला स्पेन से होगा। इसके बाद भारतीय टीम 19 अगस्त को मेजबान जर्मनी से खेलेगी। वहीं 21 अगस्त को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा। इस टूर्नामेंट की शीर्ष दो टीमों 22 अगस्त को फाइनल में आमने-सामने होंगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस टूर्नामेंट के जरिये आगामी विश्वकप के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करना रहेगा। इससे पहले भारतीय टीम ने जून में ओमान में जूनियर एशिया कप में जीत हासिल करने के साथ ही दिसंबर में कुआलालम्पुर में होने वाले विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर लिया था। तब भारतीय टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराया था। विष्णुकांत सिंह भारतीय टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने कहा ,'' हमारे पास मजबूत और अनुभवी खिलाड़ी हैं और पिछले कुछ टूर्नामेंटों की तरह हम इस टूर्नामेंट में भी बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। साथ ही कहा, 'हमें मनोबल बढ़ाने के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत जीत से करनी होगी। साथ ही कहा कि यह टूर्नामेंट विश्व कप से पहले यूरोप की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलकर अनुभव हासिल करने के लिये होगा। भारत को पिछली बार 2019 में मैड्रिड में अंडर 21 टूर्नामेंट में स्पेन के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम के मुख्य कोच सी आर कुमार ने कहा कि स्पेन, जर्मनी और इंग्लैंड जैसे शक्तिशाली टीमों के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना हमारा लक्ष्य रहेगा।

भारतीय एयर पिस्टल टीम को मिला कांस्य

आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप

बाकू ।(एजेंसी)

भारतीय एयर पिस्टल टीम ने आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता है। भारत के शिवा नरवाल, सरबजोत सिंह और अर्जुन सिंह चीमा की टीम ने ने पुरूष दस मीटर एयर पिस्टल टीम में 1734 अंक हासिल कर कांस्य पदक अपने नाम किया। नरवाल ने 579, सरबजोत ने 578 और चीमा ने 577 अंक हासिल किए। वहीं जर्मनी की टीम को नौ अंक ज्यादा मिले जिससे उसने रजत पदक हासिल किया जबकि चीन के निशानेबाजों को सबसे अधिक 1749 अंकों के साथ ही स्वर्ण पदक मिला। यह टूर्नामेंट 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है। वहीं व्यक्तिगत वर्ग में भारतीय निशानेबाज असफल रहे ओर फाइनल में नहीं पहुंच पाये।

श्रीनगर में महिलाएं बरसाएंगी चौके-छक्के, Indian Army करवा रही कश्मीर महिला क्रिकेट लीग

(एजेंसी)।

भारतीय सेना स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर कश्मीर महिला क्रिकेट लीगका आयोजन कर रही है। लीग में, क्षेत्र के विभिन्न जिलों से आने वाली 12 टीमें 8 दिनों के दौरान एक-दूसरे से भिड़ेंगी। यह आयोजन 19-26 अगस्त 2023 तक होगा। इस लीग में उत्तर और दक्षिण कश्मीर के गांदरबल, शोपियां, बडगाम, बारामूला, कुलगाम, पुलवामा, हंदवाड़ा, अनंतनाग और अन्य जिलों से कुल 12 महिला क्रिकेट टीमों ने भाग ले रही हैं। प्रत्येक मैच में प्लेयर ऑफ द मैच दिया जाएगा। इसके बाद सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और टूर्नामेंट की बैस्ट गेंदबाज और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब भी दिए जाएंगे। विजेताओं को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार मिलेगा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला देखने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बतौर मुख्य अतिथि पहुंचेंगे। इसके अलावा प्रसिद्ध क्रिकेटर मिताली राज सम्मानित अतिथि होंगी। प्रतिभागियों में से एक ने कहा कि क्रिकेट को लड़कियों के बीच एक पसंदीदा खेल के रूप में उभरते हुए देखना अच्छा है। खेल का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं क्योंकि क्रिकेट के मैदान पर क्रिकेट खेलना पूरी तरह से एक अलग और विशेष अनुभव है।

आगामी टूर्नामेंट में भाग ले रही एक महिला क्रिकेटर ने कहा कि हमारी टीम को खेल खेलने का मौका देने के लिए भारतीय सेना का धन्यवाद।

कश्मीर में आमतौर पर लड़कियों को ऐसे मौके नहीं मिलते, लेकिन हम इतने बड़े मंच पर खेलने के लिए भाग्यशाली हैं। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनभागीदारी होगी। लीग को देखने के लिए क्षेत्र के जन प्रतिनिधि और स्थानीय लोग मौजूद रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

करियर के सर्वश्रेष्ठ 25वें स्थान पर पहुंचे शुभमन

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आज जारी ताजा रैंकिंग में भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने लंबी छलांग लगायी है। शुभमन 43 स्थानों की छलांग लगाते अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 25वीं रैंकिंग पर पहुंच गये हैं। हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में शुभमन ने एक अर्धशतक लगाया था। आईसीसी ने यह रैंकिंग वेस्टइंडीज और भारत के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद जारी की है। टी20 प्रारुप में इससे पहले शुभमन की पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 30वां स्थान थी। ये उन्होंने फरवरी में हासिल की थी। तब उन्होंने अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ नाबाद 126 रन बनाये थे। वहीं शुभमन के सलामी जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल भी 88वें स्थान पर पहुंच गए हैं। यशस्वी ने भी इस दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था। दूसरी ओर वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज बैंडन किंग को भी उनकी धमाकेदार पारी का लाभ मिला है। किंग ने नाबाद 85 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। इस पारी के साथ ही वह पांच पायदान ऊपर आकर अब 13वें स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि काइल मेयर्स दो पायदान के लाभ के साथ ही 45वें और शिमरॉन हेटमायर 16 पायदान की छलांग लगाकर 85वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में रिंकू पर रहेंगी नजरें

डबलिन । आईपीएल में लगातार पांच छक्के लगाकर सुर्खियों में आये रिंकू सिंह के ऊपर अब आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में सभी की नजरें रहेंगी। तीन टी20 मैचों की ये सीरीज शुरुवार से शुरु होने वाली है। रिंकू ने आईपीएल के 16 वें सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी के अलावा घरेलू मैचों में दिखाया है कि वह हालात के अनुसार भी बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। उनकी सबसे बड़ी खासियत दबाव के बीच भी संयमित रहकर बल्लेबाजी करना रहा है। इसी कारण उन्हें भविष्य का टॉप फिनिशर भी कहा गया था। ऐसे में यह देखना होगा कि वह आयरलैंड में किसी प्रकार अपने को साबित करते हैं। रिंकू मैच के हालातों के अनुसार बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। आईपीएल में जब टीम के शुरूआती विकेट जल्दी गिर जाते थे तो वह एक या दो रन लेकर स्कोर आगे बढ़ाते थे। वहीं टीम की स्थिति जब एक बार अच्छी हो हो जाती थी तब वह आक्रामक रुख में उतर आते थे। रिंकू का यही अंदाज लोगों को पसंद है। भारतीय टीम प्रबंधन को रिंकू से इस दौरे में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। रिंकू भी इसमें कोई कसर नहीं रखेंगे। इस सीरीज में उन्हें अपने पसंदीदा बल्लेबाजी क्रम पर खेलते हुए देखा जा सकता है। यहां अगर उनका बल्ला चला तो भारतीय टीम एक बार फिर मेजबान टीम के खिलाफ सीरीज में बड़ी जीत दर्ज करेगी। रिंकू ने आईपीएल में अबतक कुल 31 मुकाबले खेले हैं। इसमें उन्होंने 29 पारियों में 36.25 की औसत से 725 रन बनाये हैं।

विश्व कप के लिए इंग्लैंड की संभावित टीम में स्टोक्स शामिल, ब्रूक और आर्चर को नहीं मिली जगह

लंदन ।(एजेंसी)

भारत में पांच अक्टूबर से होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए इंग्लैंड की टीम में ऑलराउडर बेन स्टोक्स की वापसी हुई है पर हैरी ब्रूक और जोफ्रा आर्चर जैसे अहम खिलाड़ियों के नाम नहीं है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने विश्वकप के लिए 15 खिलाड़ियों की संभावित टीम की घोषणा की है। इसमें संन्यास के बाद वापसी करने वाले स्टोक्स को शामिल किया गया है। वह विश्वकप से पहले सितंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेलेंगे। चयन समिति के एक सदस्य ल्यूक राइट ने कहा है कि न्यूजीलैंड टीम के खिलाफ जिन 15 खिलाड़ियों को जगह दी गयी है, वही विश्व कप में भी जाएंगे हालांकि इन खिलाड़ियों में युवा बल्लेबाज ब्रूक के शामिल नहीं होने पर सभी हैरान हैं। इसके अलावा रहस्यमयी गेंदबाज आर्चर को भी केवल रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर ही रखा गया है। राइट ने कहा कि यह वह टीम है जो विश्वकप खेलेगी। यह उन खिलाड़ियों के लिए निराश की बात है जिन्हें इसमें जगह नहीं मिली है। इस प्रकार के अच्छे खिलाड़ियों को भी जगह नहीं मिलना दिखाता है कि इंग्लिश क्रिकेट में कितनी गहरायी है। कई और ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम में जगह की दावेदारी पेश कर रहे हैं पर केवल 15 खिलाड़ियों को ही

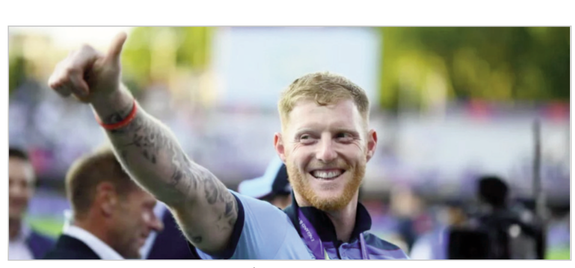

शामिल किया जा सकता है। स्टोक्स की वापसी इसलिए हुई है क्योंकि वह एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। । गौरतलब है कि आईसीसी ने सभी टीमों से 5 सितंबर तक सभी संभावित टीम घोषित करने कहा है। इस टीम में 28 सितंबर तक बदलाव किया जा सकता है। इंग्लैंड की टीम विश्व कप में अपना पहला मुकाबला 5 अक्टूबर से न्यूजीलैंड से खेलेगी। इससे पहले उसका मुकाबला न्यूजीलैंड से भी होगा।

विश्व कप के लिए इंग्लैंड की संभावित टीम = जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, गस एटकिंसन, जॉनी बेयरस्टो, सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, आदिल राशिद, जो रूट, जेसन रॉय, बेन स्टोक्स, रीस टॉपले, डेविड विली, मार्क वुड, क्रिस वोक्स।

बुमराह ने अभ्यास के दौरान जबरदस्त बाउंसर और योर्कर फेंकी

डबलिन ।(एजेंसी)

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आयरलैंड पहुंचने के बाद नेट्स पर जमकर गेंदबाजी की। बुमराह ने इस दौरान पूरी ताकत के साथ गेंदबाजी की। बुमराह लंबे समय के बाद दस सीरीज से कप्तान के तौर पर वापसी कर रहे हैं। ऐसे में सभी की नजरें उनकी गेंदबाजी पर रहेंगी। इससे पहले उन्होंने अंतिम मैच 25 सितंबर 2022 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हैदराबाद में टी20 मैच खेला था। इसके बाद से ही पीठ की चोट और सर्जरी के कारण वह टीम से बाहर हो गये थे। ऐसे में उनकी गेंदबाजी को लेकर आशंकाएं जाहिर की जा रहीं थी जो गलत साबित हुईं। भारतीय टीम मंगलवार को आयरलैंड पहुंची और उसने बुधवार ही अभ्यास शुरू कर दिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें बुमराह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाजी कर रहे हैं। उनको ऐसे गेंदबाजी करते हुए देखना एशिया कप और एकदिवसीय विश्वकप से पहले भारतीय टीम के लिए एक अच्छा संकेत है। अभ्यास सत्र में बुमराह के बाउंसरों से बल्लेबाज असहज दिखे। दांए हाथ के बल्लेबाज को नीचे झुक कर वह गेंद छोड़नी पड़ी। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबालों के लिए उनकी यार्कर खेलना कठिन हो रहा था। माना जा रहा है कि बुमराह की शानदार गेंदबाजी के पीछे राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में किये अभ्यास की अहम भूमिका रही। उसी कारण वह पूरी ताकत से गेंदबाजी करने में सफल रहे।

फ्रेंचाइजी स्तर पर खेलने से अलग है अंतराष्ट्रीय क्रिकेट : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि एक खिलाड़ी फ्रेंचाइजी स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर सकता है पर जरुरी नहीं कि वह अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी उसी प्रकार का प्रदर्शन कर पाये। गावस्कर के अनुसार देश का प्रतिनिधित्व करते समय एक अलग प्रकार का दबाव होता है। उन्होंने ये बात वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए कही। इस पूर्व बल्लेबाज ने आगे कहा कि हमने ऐसा कई बार देखा है कि घरेलू स्तर के खिलाड़ी बड़े स्तर पर एक कदम भी आगे नहीं बढ़ पाते हैं। हां ये अलग है कि ये खिलाड़ी जब लीग स्तर पर खेलते हैं तो अच्छे लगते हैं पर अंतरराष्ट्रीय स्तर लेवल पर बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेलते ही उन्हें समझ में आ जाता है कि जो बातें घरेलू स्तर पर आसान नजर आती थीं वह बड़े स्तर पर उतनी आसान नहीं है। उन्होंने कहा, यही वजह है कि कई सारे खिलाड़ी जो छोटे स्तर पर अच्छे तो नजर आते हैं पर बड़े स्तर पर नाकाम रहते हैं। फ्रेंचाइजी क्रिकेट तकनीक के मामले में बहुत नीचे है। कैरेबियन टीम के खिलाफ मिली हार से भारतीय टीम को ज्यादा निराशा नहीं होना चाहिये क्योंकि विपक्षी टीम ने सीमित ओवरों के प्रारुप में दो बार खिताब जीता है।

तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर होना ही जरुरी नहीं : कपिल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि भारतीय टीम के पास ऑलराउंडरों की कोई कमी नहीं है। कपिल ने कहा कि तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर होना ही जरुरी नहीं है। स्पिन ऑलराउंडर भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। रविन्द्र जडेजा और आर अश्विन ने ये साबित किया है। हमें स्वीकार करना होगा कि हम अधिक प्रभावशाली ऑलराउंडर नहीं तलाश पा रहे हैं पर हमारे पास कई सकारात्मक पक्ष भी हैं। उन्हीं बातों पर टीम प्रबंधन को ध्यान देना चाहिये। कपिल ने इसके साथ ही तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें टेस्ट मैच भी खेलने चाहिये पर उन्हें ऐसा होता नहीं दिख रहा। वह लाल गेंद क्रिकेट में टीम इंडिया के लिए लाभप्रद साबित हो सकते हैं। साथ ही कहा कि उन्हें और अधिक क्रिकेट खेलना चाहिए क्योंकि उसके पास बहुत क्षमता है। अगर वह फिट है, तो उसे टेस्ट क्रिकेट भी खेलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की तुलना करना सही है। पिछले 20-30 वर्षों में, हमने कई तेज गेंदबाज तैयार किए हैं, जिन पर हम निर्भर रह सकते हैं। और यही अधिक अहम है। आपको सिर्फ तेज गेंदबाजी करने वाले ऑलराउंडर खिलाड़ियों की ही जरूरत नहीं है। आपको स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडरों की भी आवश्यकता है। आपके पास भारतीय टीम में कुछ अच्छे ऑलराउंडर हैं। जडेजा शानदार हैं, अश्विन बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। तो ऐसा नहीं है कि हमारे पास कोई भी ऑलराउंडर नहीं है। कपिल ने आगामी एकदिवसीय विश्व कप में टीम इंडिया की संभावनाओं को लेकर कहा कि उसे पहले शीर्ष चार टीमों में आने की जरूरत है। उसके बाद ही कुछ भी संभव है। सेमीफ़ाइनल चरण के बाद से भाग्य का साथ होना भी जरुरी है तभी जीत मिलती है पर सबसे जरुरी है सेमीफाइनल तक का सफर।

मेसन में वेस्टर्न व सदर्न ओपन टेनिस में खेलती हुई आर्यना सबालेंका।

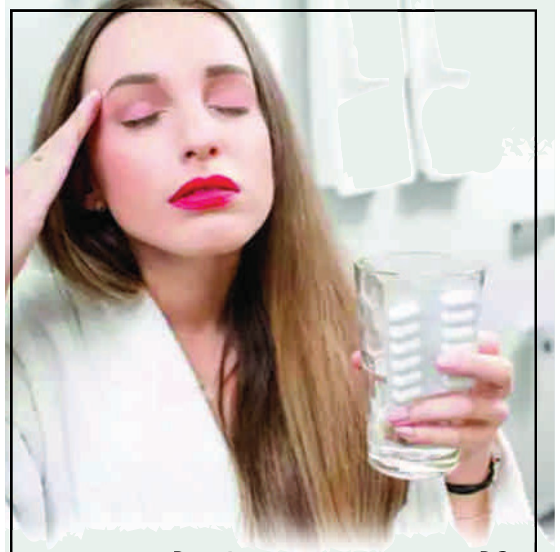

शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

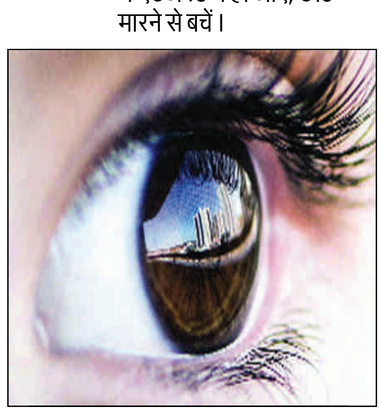

ऐसे करें आंखों की देखभाल

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने ,उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।
- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छीटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छीटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं , जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्यूशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिट्टी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायू प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

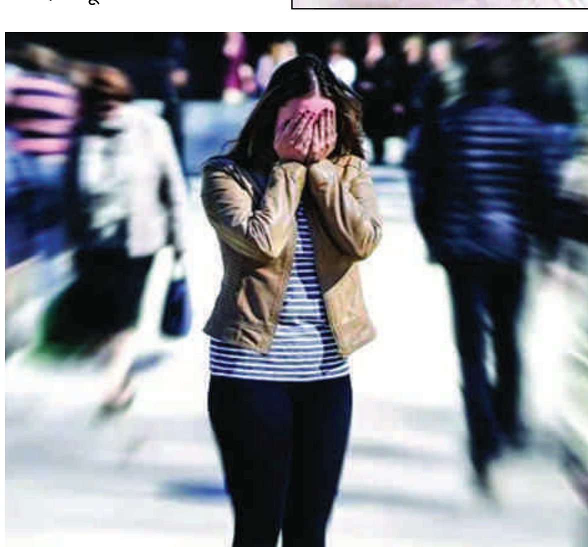

साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठट्ट के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।

जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रांसप्लांट की दुनिया में चमत्कार, इंसान के शरीर में काम कर गई सुअर की किडनी

न्यूयॉर्क । अमेरिका में डॉक्टरों ने एक इंसान के शरीर में सुअर की किडनी प्रत्यारोपित कर दी। जो कि सफल भी हो गई। इसे चिकित्सा जगत में एक ऐसा कारनामा बताया जा रहा है जिसके बाद आने वाले समय में गंभीर बीमारियों से जूझते मरीजों को नई उम्मीद मिली है। अमेरिका के डॉक्टरों ने बताया कि उन्होंने एक ऐसे इंसान के शरीर में सुअर की किडनी ट्रांसप्लांट की है जो ब्रेन डे हो चुका है। सुअर की किडनी इस व्यक्ति के शरीर में एक महीने से ज्यादा समय तक सामान्य रूप से काम करती रही है। यह नई उपलब्धि अंगदान की जरूरतों को पूरा करने की कोशिशों की तरफ एक उम्मीद की किरण है। हालां?कि इस मरीज की मौत हो चुकी है मगर यह एक रिकॉर्ड है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी लैंगोन ट्रांसप्लांट इंस्टीट्यूट के सर्जनों ने बताया कि किसी मृत व्यक्ति के शरीर में सुअर की किडनी का सबसे लंबे समय तक काम करने का रिकॉर्ड है। उन्होंने इस घटना को एक मील का पत्थर करार दिया है। इस संबन्ध में इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर रॉबर्ट मोंटगोमरी ने मीडिया को बताया कि हमारे पास जेनेटिकली एडीटेड सुअर की किडनी एक महीने से ज्यादा समय तक इंसान के शरीर में जीवित रही है। और जो नतीजे मिले हैं वो किसी मरीज पर किसी भी स्टडी के लिए भविष्य का भरोसा देने वाले हैं। उन्होंने सुअर की किडनी को आनुवंशिक रूप से बदला ताकि एक जीन को हटा दिया जा सके। यह वह जीन था तो बायोमोलेक्यूल्स का प्रोडक्शन करता है और जिस पर इंसान का इम्यून सिस्?टम हमला करता है और उसे मानने से इनकार कर देता है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि क्रॉस-प्रजाति प्रत्यारोपण उन कई लोगों को सहायता प्रदान करने में मदद कर सकता है जो संभावित जीवनरक्षक अंगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अमेरिका में वर्तमान में 103,000 से ज्यादा लोगों को अंग प्रत्यारोपण की जरूरत है। इनमें से 88,000 को किडनी की जरूरत है।

श्रीलंका पर मदद देने के नाम पर डोरे डाल रहा चीन

कोलंबो । श्रीलंका के सबसे बड़े द्विपक्षीय ऋणदाता, चीन ने श्रीलंका को ऋण चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद का आश्वासन दिया है, क्योंकि श्रीलंका को आईएमएफ की पहली समीक्षा से पहले सितंबर तक 41 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बाहरी और घरेलू ऋण पुनर्गठन को अंतिम रूप देना है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) इस साल मार्च में श्रीलंका को दिए गए 2.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बेलआउट की पहली समीक्षा 11-19 सितंबर तक करने के लिए तैयार है। पीएमओ से विज्ञप्ति में कहा गया कि विदेश मंत्री और सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के विदेश मामलों के आयोग के कार्यालय के निदेशक वांग यी ने श्रीलंका के प्रधान मंत्री दिनेश गुणवर्धने से मुलाकात की। सातवें चीन-दक्षिण एशियाई एक्सपो ने आश्वासन दिया कि यह देश की ऋण चुनौतियों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में मदद करेगा। मार्च में अगले 4 वर्षों में 2.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बेलआउट को मंजूरी मिलने के बाद अपनी पहली समीक्षा के लिए आईएमएफ की शर्त को पूरा करने के लिए श्रीलंका वर्तमान में अपने बाहरी ऋणदाताओं के साथ बातचीत कर रहा है। आईएमएफ ने पहले ही 14 से 27 सितंबर के बीच समीक्षा के लिए कोलंबो में अपने मिशन की घोषणा कर दी है।

विवादित ट्राइटन द्वीप पर चीन हवाई पट्टी बना रहा

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर के विवादित ट्राइटन द्वीप पर चीन हवाई पट्टी बनाता दिख रहा है। सैटलाइट तस्वीरों से यह खुलासा हुआ है। पारासेल द्वीप समूह के ट्राइटन द्वीप पर वियतनाम और ताइवान भी दावा करते हैं। ट्राइटन द्वीप पर निर्माण पहली बार इसी अगस्त में होता दिखा है। तस्वीरों से पता चलता है कि बन रहा रनवे 600 मीटर से ज्यादा लंबा होगा। चीन ने स्प्रैटली द्वीपसमूह में सात मानव निर्मित द्वीपों को बनाया था। उपग्रह तस्वीरों के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि चीन विवादित दक्षिण चीन सागर द्वीप पर हवाई पट्टी का निर्माण कर रहा है, इसपर वियतनाम और ताइवान भी दावा करते हैं। पैरासेल समूह में के ट्राइटन द्वीप पर यह निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसके पहले चीन ने स्प्रैटली द्वीपसमूह पर सात मानव निर्मित द्वीपों पर निर्माण किया था। हालांकि वर्तमान में यह कुछ हद तक मामूली पैमाने पर प्रतीत होता है। चीन हमेशा से पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है और दूसरों के दावों को नकारता है। चीन की तरफ से अपने दावे को मान्य करने वाले अंतरराष्ट्रीय फैसले की अवहेलना की जाती रही है। सैटेलाइट तस्वीरों में हवाई पट्टी पर निर्माण पहली बार अगस्त की शुरुआत में दिखाई दिया। रनवे, जैसा कि वर्तमान में निर्धारित है, 600 मीटर (2,000 फीट) से अधिक लंबा होगा, जो टर्बोप्रॉप विमान और ड्रोन को समायोजित करने के लिए पर्याप्त होगा, हालांकि, लड़ाकू या बमवर्षक विमानों की एक्टिविटी यहां से नहीं हो सकेगी। द्वीप के अधिकांश हिस्से में बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही के लिए रास्ते भी दिखाई दे रहे हैं। द्वीप के अधिकांश भाग में बड़ी संख्या में वाहनों के ट्रैक भी दिखाई दे रहे हैं, साथ ही कंटेनर और निर्माण उपकरण भी दिखाई दे रहे हैं।

अमेरिकी कांग्रेसी खन्ना ने भारत यात्रा को असाधारण सफलता बताया

वाशिंगटन । 21वीं सदी में दोनों देशों के बीच रणनीतिक और सांस्कृतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए कांग्रेसी रो खन्ना सहित एक उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने कुछ दिन पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। कांग्रेसी खन्ना ने यात्रा को असाधारण सफलता बताया। प्रतिनिधिमंडल से मिलने पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि प्रतिनिधि सभा में इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष, प्रतिनिधि खन्ना और प्रतिनिधि माइकल ग्वाल्ट्ज सहित अमेरिका से एक कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करके खुशी हुई। अमेरिकी कांग्रेस का मजबूत द्विदलीय समर्थन भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने में सहायक है। एक्स पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की पोस्ट ने भारत के लोगों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं पर प्रकाश डाला, जिसे उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ साझा किया। आज अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के साथ अच्छी बातचीत हुई। खुशी है कि जब हमने स्वतंत्रता दिवस मनाया तो वे भी इसमें शामिल हो सके। भारत कॉकस के सह-अध्यक्ष, कांग्रेसी वाल्ट्ज ने पोस्ट किया कि अमेरिका-भारत साझेदारी में अमेरिकी कंपनियों और कृषि के लिए बड़े अवसर! चर्चा किए गए महत्वपूर्ण मुद्दों में जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) जेट इंजन सौदा भी शामिल था, जिसके बारे में खन्ना का मानना है कि यह दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। खन्ना ने कहा कि जीई सौदा एक परिवर्तनकारी सौदा है और इसके पारित होने से एक रणनीतिक रक्षा भागीदार के रूप में भारत के दृष्टिकोण पर विश्वास पैदा हो सकता है।

हवाई में जंगल की आग से मरने वालों की संख्या 110 हुई

होनोलूलू। अमेरिकी राज्य हवाई के गवर्नर जोश ग्रीन ने कहा कि माउई द्वीप में 8 अगस्त को जंगल में लगी विनाशकारी आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 110 हो गई है। मीडिया रिपोर्ट ने ग्रीन के हवाले से कहा, हर दिन हमारा दिल थोड़ा और टूट जाता है। हमें बताना पड़ता है कि हमारे कई प्रियजनों के खोने और मरने की पुष्टि हो गई है।

गवर्नर ने कहा कि जले हुए क्षेत्र का लगभग 38 प्रतिशत खोजा जा चुका है, जबकि माउई में लगभग 2,200 संरचनाएं, जिनमें से 86 प्रतिशत आवासीय हैं, या तो पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं या क्षतिग्रस्त हो गई हैं। माउई पुलिस प्रमुख जॉन पेलेटियर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सप्ताहांत तक खोजकर्ताओं ने 85 से 90 प्रतिशत क्षेत्र को कवर कर लिया होगा। जंगल की आग, जिसने माउई के ऐतिहासिक शहर लहाइना को नष्ट कर दिया, आधुनिक अमेरिकी इतिहास में सबसे घातक आग है। द्वीप के प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 2,000 परिवार बिना बिजली के हैं। व्हाइट हाउस ने बयान में कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन 21 अगस्त को माउई का दौरा करने वाले हैं।

दक्षिण कोरियाई मछुआरे जापानी परमाणु संयंत्र के रेडियो एकटिव पानी को समुद्र में छोड़े जाने का विरोध करते हुए।

चंद्रयान 3 से दो दिन पहले दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करेगा लूना-25

मॉस्को । रूस के लूनर मिशन लूना-25 पर दुनिया भर की नजरें हैं। वहीं भारत का चंद्रयान 3 भी अगले हफ्ते चांद पर लैंडिंग करने वाला है। लूना-25 को लेकर रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस ने बड़ी जानकारी दी है। एजेंसी ने कहा है कि रूस का लूनर अंतरिक्ष यान चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश कर गया है। लूना-25 करीब पांच दिनों तक चंद्रमा का चक्कर लगाएगा। फिर 21 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग के लिए अपना रास्ता बदलेगा। वहीं भारत का चंद्रयान-3 दो दिन बाद यानी 23 अगस्त को सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला है। चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लांच किया गया था। वह इसी महीने शुरुआत में चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा है। दूसरी ओर, रूस ने 11 अगस्त को लूना 25 लांच किया, मगर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग के लिए इसने छोटा रास्ता अपनाया है। इस रास्ते के बारे में दुनिया की किसी भी अंतरिक्ष एजेंसी को नहीं मालूम है। रूस का लूना-25 सन् 1976 के बाद से यानी 47 सालों देश का पहला लूनर मिशन है। वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिणी ध्रुव पर पहले भी कई बार देशों ने लैंडिंग की कोशिशें की हैं। नया कॉन्टेस्ट रूस और भारत के बीच है। लूना-25 का लक्ष्य दक्षिणी ध्रुव पर एक साल तक अपने मिशन को अंजाम देना है। यह वह जगह है जहां पर हाल के कुछ वर्षों में वैज्ञानिकों ने गड्ढों में जमे हुए पानी के निशान का पता लगाया है। रूसी अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर नजर रखने वाले अनातोली जक की मानें तो सोवियत संघ के मिशन लूना -24 के बाद से किसी भी रूसी अंतरिक्ष यान ने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश नहीं किया है। जैक ने बताया कि इस प्रोजेक्ट की सफलता के लिए चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश करना बहुत महत्वपूर्ण है।

चुनाव से पहले नई कार्यवाहक कैबिनेट की नियुक्ति, शमशाद अख्तर वित्त, जलील अब्बास विदेश मंत्री

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधान मंत्री अनवर-उल-हक काकर ने नवंबर की शुरुआत में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले गुरुवार को एक नई कैबिनेट नियुक्त की। ब्रॉडकास्टर जीईओ न्यूज ने सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व अमेरिकी राजदूत जलील अब्बास जिलानी को विदेश मंत्री नामित किया गया था और पूर्व केंद्रीय बैंक प्रमुख शमशाद अख्तर को नए कार्यवाहक कैबिनेट के हिस्से के रूप में वित्त मंत्री नियुक्त किया गया था। नवनियुक्त कार्यवाहक प्रधान मंत्री अनवार-उल-हक काकर के मंत्रिमंडल ने गुरुवार को इस्लामाबाद के ऐवान-ए-सद्र में एक समारोह में शपथ ली। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने कार्यवाहक संघीय मंत्रियों को शपथ दिलाई। कई सेवानिवृत्त नौकरशाहों, व्यापारियों और अन्य हस्तियों के नाम संभावित कार्यवाहक मंत्रियों के रूप में मीडिया में चल रहे थे, लेकिन इस बात की कोई पुष्टि नहीं थी कि किसे कौन सा विभाग सौंपा जाएगा। मीडिया द्वारा रिपोर्ट किए गए कुछ नाम, जिनके नए सेट-अप का हिस्सा बनने की संभावना थी, उनमें पूर्व पुलिस प्रमुख डॉ. शोएब सुडले और जुल्फिकार चीमा, बलूचिस्तान अवामी पार्टी के सीनेटर सरफराज बुगती, पूर्व विदेश सचिव जलील अब्बास जिलानी, मंत्री हाफ़िज़ शेख, पूर्व संघीय मंत्री मुहम्मद अली दुर्रानी, और वकील मुहम्मद अहसान भून शामिल हैं।

रूस की धरती से चीन के रक्षामंत्री की खुली चेतावनी, ताइवान के मुद्दे पर आग से खेल रहा अमेरिका

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के रक्षा मंत्री ली शानगफू ने ताइवान के मुद्दे पर अमेरिका को खुली चेतावनी दी है। ली ने अमेरिका से कहा कि वो ताइवान के मुद्दे पर आग से खेल रहा है। ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई के अमेरिका में रुकने की चीन ने कड़ी आलोचना की है। चीनी रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, बीजिंग द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका में रुकने के लिए ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई की निंदा करने के कुछ दिनों बाद चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने ताइवान के मामले में आग से खेलने के प्रति आगाह किया।

चीन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में और सिन्हुआ समाचार एजेंसी के हवाले से कहा कि अमेरिका पर निशाना साधते हुए ली ने चीन को नियंत्रित करने के लिए ताइवान का उपयोग करने के किसी भी प्रयास को चेतावनी दी और कहा कि यह निश्चित रूप से विफलता में समाप्त होगा। अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पर मास्को सम्मेलन में बोलते हुए ली शांगफू ने कहा कि मुख्य भूमि के साथ ताइवान का एकीकरण अवश्यंभावी है।

ली ने उल्लेख किया कि ताइवान प्रश्न चीन का आंतरिक मामला है जिसमें कोई बाहरी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि चीन का पुनर्मिलन एक अपरिहार्य ऐतिहासिक प्रवृत्ति है। बयान में ली के हवाले से कहा गया कि ताइवान के सवाल पर आग से खेलना और 'ताइवान के साथ चीन को रोकने' का प्रयास निस्संदेह विफलता में समाप्त होगा।

मस्क ने जनसंख्या अनुसंधान परियोजना के लिए दान दिए 10 मिलियन डॉलर

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने टेक्सास में प्रजनन और जनसंख्या अनुसंधान परियोजना के लिए 10 मिलियन डॉलर का दान दिया है। तीन महिलाओं से 10 बच्चों के पिता मस्क 52 वर्षीय अरबपति ने अपनी धर्मार्थ शाखा मस्क फाउंडेशन के माध्यम से ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय में स्थित एक परियोजना, पॉपुलेशन वेलबीइंग इनिशिएटिव (पीडब्ल्यूआई) को पैसा दिया। एक्स मालिक ने हाल ही में दो दिवसीय पीडब्लूआई सम्मेलन को वित्त पोषित किया।

ऑस्टिन के जनसंख्या अनुसंधान केंद्र और उसके अर्थशास्त्र विभाग में टेक्सास विश्वविद्यालय के बीच एक संयुक्त कार्यक्रम, पीडब्ल्यूआई की वेबसाइट इस शोधकर्ताओं के एक नेटवर्क के रूप में वर्णित करती है, जो अर्थशास्त्र, जनसांख्यिकी और सामाजिक कल्याण मूल्यांकन में मूलभूत कार्य करते हैं। मस्क का मानना है कि धन का सीधा संबंध आईक्यू से है और उन्होंने अपने जानने वाले सभी अमीर लोगों से यथासंभव अधिक से अधिक बच्चे पैदा करने का आग्रह किया है।

चीनी सेना ने खोजा अनलिमिटेड फायर पावर की लेजर गन बनाने का तरीका

बीजिंग(एजेंसी)। चीनी सेना ने दावा किया है कि उसने लेजर गन बनाने का तरीका खोज निकाला है।यह तरीका ऐसा है कि इसमें अनिश्चित काल तक फायर किया जा सकता है। सूत्रों की मानें तो चीनी दावे के मुताबिक उसकी सेना के पास अब लेजर को हथियार बनाने की क्षमता है। यह परिक्रमा करने वाले उपग्रहों को मार गिराने के साथ-साथ जमीन पर दूर के लक्ष्यों को भी भेद सकता है। इस संबन्ध में पूर्व ब्रिटिश सैन्य अधिकारी स्टीव वीवर ने ट्वीट किया कि यदि चीनी कूलिंग तकनीक के बारे में दावे सच हैं, तो यह कई पहलुओं में संयुक्त राज्य अमेरिका पर चीन की श्रेष्ठता स्थापित कर सकता है। बता दें कि चीनी सेना ने ऊर्जा हथियार प्रौद्योगिकी में एक संभावित बड़ी प्रगति साझा की है, हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। मीडिया में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञों का दावा है कि उन्होंने एक एडवांस कूलिंग सिस्टम तैयार किया है। यह प्रणाली उच्च ऊर्जा वाले लेजर को ओवरहीटिंग मुद्दों के बिना लगातार चालू रख सकती है। जबकि लेज़र कुछ समय से आसपास हैं, ये शक्तिशाली किरणें आमतौर पर बहुत अधिक अतिरिक्त गर्मी पैदा करती हैं, जिससे विश्व स्तर पर समान हथियारों के पिछले प्रयासों के लिए समस्याएं पैदा होती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मी की वजह से लेजर बीम को फायर करने वाले व्यवहार्य हथियार बनाना संभव नहीं है। हालांकि इस सफलता के साथ, संभव लेजर हथियार आखिरकार एक वास्तविकता बन सकते हैं। कथित तौर पर, चीन में विकसित नया कूलिंग सिस्टम अतिरिक्त गर्मी को खत्म करने के लिए हथियार के माध्यम से बहने वाली गैस का उपयोग करेगी। यह प्रगति हथियारों को शक्ति खोने या विघटित होने के बिना, लगातार सटीक लेजर बीम फायर करने में सक्षम बनाएगी। शोधकर्ताओं ने हालिया रिसर्च पेपर में कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले बीम न केवल पहले सेकंड में उत्पादित किए जा सकते हैं, बल्कि अनिश्चित काल तक बनाए भी रखे जा सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका ने भी इसी तरह की प्रौद्योगिकियों की खोज की, लेकिन इन परियोजनाओं को व्यापक उपयोग नहीं मिला है क्योंकि वे पर्याप्त रूप से शक्तिशाली नहीं थे।

समंदर में नाव पलटने से 60 से अधिक लोग डूबे, हुई मौत

केप वर्डे । अफ्रीकी देश के केप वर्डे के पास एक नाव पलटने से 60 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) अधिकारियों ने बताया गया कि केप वर्डे के पास एक नाव पलटने से यह हादसा हुआ है, इसमें सवार 60 से अधिक लोगों के मारे जाने की आशंका है, वहीं 38 अन्य को बचा लिया गया है। आईओएम ने बुधवार को कहा कि ऐसा माना जाता है कि यह नाव जुलाई में सेनेगल से रवाना हुई थी जो प्रविसियों से भरी हुई थी। जानकारी के अनुसार पश्चिम अफ्रीकी तट से लगभग 620 किमी (385 मील) दूर एक द्वीप राष्ट्र केप वर्डे में मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मछली पकड़ने वाली नाव एक महीने पहले सेनेगल से रवाना हुई थी। सेनेगल के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार देर रात कहा कि गिनी-बिसाऊ के एक नागरिक सहित 38 लोगों को नाव से बचाया गया। तट रक्षक ने कहा कि जीवित बचे लोगों और मृतकों की कुल संख्या 48 थी। स्थानीय मुर्दाघर में 7 शव मिले हैं। वहीं केप वर्डे के स्वास्थ्य मंत्री फिलोमेना गोंकाल्वेस के हवाले से कहा गया कि हमें जीवित लोगों का स्वागत करना चाहिए और मृतकों को सम्मान के साथ दफनाना चाहिए।'

ईशनिंदा के आरोप में ईसाई समुदाय निशाने पर, चर्चों में की तोड़फोड़ व आगजनी

-अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को लेकर अमेरिका ने जताई चिंता, पाकिस्तान से जांच की मांग

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान में इस समय ईसाई समुदाय निशाने पर है। यहां एक बार फिर अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की घटनाएं हो रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार पंजाब प्रांत में इस्लाम की पवित्र पुस्तक के अपमान की आशंका में गुस्साई भीड़ ने करीब आठ चर्चों में तोड़फोड़ की और आग लगा दी है। आसपास के घरों को भी आग के हवाले कर दिया है। इस घटना से इलाके में भारी तनाव फैल गया है। हालांकि पाकिस्तान सरकार ने अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय की सुरक्षा के लिए अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है। उधर इस मामले में अमेरिका ने चिंता जताई है और पाकिस्तान सरकार से जांच करने की अपील की है। अमेरिका के प्रिंसिपल डिप्टी स्पोकपर्सन वेदांत पटेल ने कहा, हम इस बात से बहुत चिंतित हैं कि पाकिस्तान में कुरान के अपमान के आरोप में चर्चों और घरों को निशाना बनाया गया। हम अभिव्यक्ति की शांतिपूर्ण स्वतंत्रता और सभी के लिए धर्म और विश्वास की स्वतंत्रता के अधिकार का समर्थन करते हैं। हम पाकिस्तानी अधिकारियों से इन आरोपों की पूरी जांच करने का आग्रह करते हैं और इसमें शामिल सभी लोगों के लिए शांति का आह्वान करते हैं।

घटना को लेकर पाकिस्तान की पुलिस ने बताया कि ये घटनाएं लाहौर से लगभग 130 किलोमीटर दूर फैसलाबाद जिले की जरनवाला तहसील में हुईं। आरोप है कि वहां एक ईसाई व्यक्ति और उसकी बहन ने कथित तौर पर कुरान का अपमान किया और आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं, जिसके बाद इलाके में नाराजगी बढ़ गई और भीड़ ने हमला बोल दिया। स्थिति को नियंत्रित करने और चमरा मंडी, जरनवाला में रहने वाले ईसाइयों की सुरक्षा के लिए पाकिस्तान रेंजर्स को बुलाया गया। इलाके में स्थिति फिलहाल काफी तनावपूर्ण है। कथित तौर पर भीड़ ने ईसाई समुदाय को घेर लिया है। मामले में अब तक 100 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जरानवाला के पादरी इमरान भट्टी ने बताया कि भीड़ ने जरानवाला में पांच चर्चों को आग लगा दी। इनमें साल्वेशन आर्मी चर्च, यूनाइटेड प्रेस्बिटेरियन चर्च, एलाइड फाउंडेशन चर्च और जारनवाला के ईसा नगरी इलाके में स्थित शेहरूनवाला के दो चर्च शामिल हैं।

फडणवीस पर आरोप लगाने वाले सतीश उके की मुश्किलें बढ़ी

नागपुर । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ चुनावी हलफनामे में जानकारी छुपाने का आरोप लगाने वाले वकील सतीश उके की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उके फिलहाल हवाला के मामले में मुंबई की आर्थर जेल में बंद हैं। पुलिस ने उके सहित छह लोगों के खिलाफ मकोका के तहत मामला दर्ज किया है। महाराष्ट्र की सियासत में अब इस तरह की चर्चा शुरू है कि फडणवीस के खिलाफ आवाज उठाना उके को भारी पड़ गया। बहरहाल जिन लोगों पर मामला दर्ज हुआ है, उनमें सतीश की पत्नी, भाई और अन्य रिश्तेदार शामिल हैं। पुलिस ने एनआईटी अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। नागपुर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के डिविजनल इंजीनियर पंकज पाटिल ने उके के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद मंगलवार को उके और छह अन्य के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम, 1999 (मकोका) के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोप है कि इन सात लोगों ने मिलकर मूल रूप से विठ्ठल धावले के स्वामित्व वाली जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाए। वर्तमान में, 1990 के दशक के अंत से इसका स्वामित्व नगर प्राधिकरण के पास है। पुलिस ने मकोका मामले में प्रदीप उके (भाई), माधवी उके (पत्नी), सुभाष मणिलाल बघेल (श्रीरंग हाउसिंग को ऑपरेटिव के अध्यक्ष), चंद्रशेखर नामदेवराव माटे और उके के परिवार के दो सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसमें चन्द्रशेखर महादेवराव उके और मनोज महादेवराव उके शामिल थे। पिछले साल अप्रैल 2022 में प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने सतीश उके के ठिकानों पर छापा मारा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उके को ईडी ने 11.5 करोड़ रुपये के हवाला मामले में गिरफ्तार किया था। इस बीच ईडी ने उके के भाई के घर पर भी छापेमारी की, उके अप्रैल से मुंबई जेल में हैं। वकील सतीश उके ने राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर 2014 में चुनावी हलफनामे में दर्ज दो आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाने का आरोप लगाया था। इस संबंध में उके ने जिला न्यायालय की नागपुर खंडपीठ में याचिका दायर की थी। इसके बाद कोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही है। कहा जाता है कि सतीश उके महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के करीबी हैं।

ईडी नहीं चाहता कि रॉबर्ट वाड्रा की अग्रिम जमानत हो, हाईकोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रॉबर्ट वाड्रा की अग्रिम जमानत का विरोध किया है। ईडी ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती भी दी है। जानकारी के अनुसार पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा को एक धनशोधन मामले में दी गई अग्रिम जमानत को ईडी ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। इसके साथ ही जमानत शर्तों का पालन नहीं किए जाने का दावा भी किया। ईडी के वकील ने कहा कि वह एक अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करेंगे जिसमें यह दर्शाया जाएगा कि वाड्रा ने जमानत शर्तों का उल्लंघन किया है। उन्होंने इसे अदालत के समक्ष रखने के लिए कुछ समय मांगा। वहीं न्यायमूर्ति जैन ने ईडी को अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। मामले में अगली सुनवाई सितंबर में होगी। इससे पहले, ईडी ने उच्च न्यायालय से कहा था कि वह वाड्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ करना चाहती है। क्योंकि मामले में पैसे के लेन-देन की कड़ी सीधे तौर पर उनसे जुड़ी हुई है। उसने यह भी दावा किया था कि वाड्रा जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। वाड्रा पर लंदन में 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर पर करीब 19 लाख पाउंड (17 करोड़ रुपये से अधिक) की एक संपत्ति की खरीद में गड़बड़ी का आरोप है। ईडी द्वारा इस मामले की जांच धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। उधर वाड्रा के वकील ने ईडी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके मुवक्किल ने जांच में सहयोग किया और जब भी बुलाया गया, वह जांच एजेंसी के सामने पेश हुए। उच्च न्यायालय एक अप्रैल, 2019 को निचली अदालत द्वारा वाड्रा को दी गई अग्रिम जमानत को चुनौती देने वाली ईडी की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। वाड्रा ने याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि उनके द्वारा सहयोग नहीं करने का कोई उदाहरण नहीं है। सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने का कोई जोखिम नहीं है क्योंकि एजेंसी ने मामले से संबंधित सभी दस्तावेज पहले ही जब्त कर लिये हैं।

वाईएस शर्मिला की पदयात्रा को इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में मिली जगह

हैदराबाद । वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला को इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने तेलंगाना राज्य में नागरिकों के साथ मिलकर 3,800 किलोमीटर पैदल चलने वाली पहली भारतीय महिला का खिताब दिया है। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की संस्थापक को 15 अगस्त को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। शर्मिला ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जारी पोस्ट में कहा ?कि तेलंगाना के लोगों और उनकी आकांक्षाओं के प्रति मेरी प्रतिबद्धता को इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से सराहना मिली है। हालांकि, मेरी पदयात्रा कोई कीर्तिमान स्थापित करने के लिए नहीं थी, फिर भी मैं इस प्रमाणपत्र को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करती हूं। शर्मिला पोस्ट के साथ प्रमाण पत्र भी साझा किया जिसमें लिखा है, वाईएस शर्मिला ने तेलंगाना राज्य में नागरिकों के साथ मिलकर 3,800 किलोमीटर पदयात्रा करने वाली पहली भारतीय महिला के खिताब के साथ एक नया भारतीय विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है।

अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल से पीएम मोदी ने की मुलाकात

नई दिल्ली । अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल से पीएम मोदी ने मुलाकात की है। मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के आठ सदस्यीय कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल से मिलकर बातचीत की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस का मजबूत द्विदलीय समर्थन दोनों देशों के बीच संबंधों को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने बैठक के बाद ट्वीट किया कि प्रतिनिधि सभा में इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष प्रतिनिधि और अन्य प्रतिनिधि सहित अमेरिका से एक कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करके खुशी हुई। अमेरिकी कांग्रेस का मजबूत द्विदलीय समर्थन भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक को और ऊपर उठाने में सहायक है। गौरतलब है कि अमेरिकी कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल पिछले सप्ताह मुंबई और नई दिल्ली की यात्रा के लिए भारत आया था। इस प्रतिनिधिमंडल ने 15 अगस्त को लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी भाग लिया था, जहां प्रधान मंत्री ने अपना भाषण दिया था। उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की थी। बैठक के बाद जयशंकर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर टिप्पणी करते हुए लिखा कि आज अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के साथ अच्छी बातचीत हुई। खुशी है कि वे इसमें शामिल हो सके, क्योंकि हमने स्वतंत्रता दिवस मनाया। भारत में चल रहे परिवर्तन, विशेष रूप से बेहतर प्रशासन के परिणामों पर चर्चा की। हमारी बढ़ती द्विपक्षीय साझेदारी पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। वैश्विक स्थिति और बहुपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर हमारे सहयोग पर दृष्टिकोण साझा किया।

लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य की जमानत याचिका खारिज

प्रयागराज । इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने और व्हाट्सएप पर विभिन्न समूह बनाकर हथियारों के अधिग्रहण को बढ़ावा देने के आरोपी, लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य इनामुल हक की जमानत याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। इनामुल हक के खिलाफ देवबंद पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी के मुताबिक, कुछ सामग्री की बरामदगी के आधार पर यह पाया गया कि हक ने व्हाट्सएप पर एक समूह बनाया जिसका उपयोग 'जिहादी' साहित्य के प्रसार के लिए कर रहा था।

मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान, सोनिया गांधी और राहुल के कहने पर मिला कांग्रेस अध्यक्ष का पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने खुद के कांग्रेस अध्यक्ष बनने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। महिला कांग्रेस के कार्यक्रम में खड़गे ने कहा कि मुझे अध्यक्ष पद सोनिया गांधी और राहुल गांधी के कहने पर मिला है। खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कांग्रेस ने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा नहीं की होती तो मोदी कभी पीएम नहीं बनते। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का यह बयान इसलिए अहम है क्योंकि पार्टी पहले ही कह चुकी है कि खड़गे को पूरी वोटिंग और उचित प्रक्रिया के बाद इस पद के लिए चुना गया है। ऐसे में खड़गे के इस बयान के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आप (भाजपा) नेताओं को पीटना और जेल भेजना चाहते हैं...अगर कोई भाषण देता है या कुछ कहता है तो उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाता है। उन्हें नेताओं को जेल में डालने और एफआईआर दर्ज करने की आदत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम इस देश के लिए अपना योगदान दे रहे हैं, हम अपने लिए यहां नहीं आए हैं। राजनीति एक सेवा है। गांधी जी को क्या मिला? न वह इस देश के प्रधानमंत्री बने और न ही राष्ट्रपति। लेकिन अपना पूरा जीवन देश को समर्पित कर दिया, भारत को आजादी दिलाई। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब मणिपुर में लोग मर रहे हैं, वे (भाजपा) अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी बोलते हैं- कांग्रेस ने सत्तर साल में क्या किया? हमने लोकतंत्र और संविधान को बचाकर रखा, इसलिए आप प्रधानमंत्री बन पाए। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को मोदी जी ने कहा कि वह 2024 में भी लाल किले पर तिरंगा फहराएंगे। मुझे लगता है कि वह तिरंगा तो जरूर फहराएंगे, लेकिन लाल किले पर नहीं, अपने घर पर फहराएंगे। कांग्रेस प्रमुख का कहना है, 'सम्मेलन में 'मेरा बूथ, मेरी ज़िम्मेदारी' के साथ-साथ आगामी विधानसभा चुनावों और 2024 के आम चुनावों में महिला कार्यकर्ताओं के योगदान की रणनीति पर चर्चा की जाएगी।'

आप का खुलेगा खाता, दिल्ली लोकसभा चुनाव के सर्वे में केजरीवाल आगे

नई दिल्ली । दिल्ली में भले ही आप की सरकार है, लेकिन लोकसभा की एक भी सीट नहीं होने का मलाल है। हालांकि इस बार केजरीवाल के लिए खुशी की बात है कि 2024 के लोक सभा चुनाव में आप का खाता खुलने वाला है। एक ताजा सर्वे में यह बात सामने आई है। बता दें कि चुनाव में करीब 7 महीने का समय बच गया है। इसमें 26 दलों के इंडिया गठबंधन और एनडीए के बीच दिलचस्प मुकाबला होने की उम्मीद है। देश की तरह दिल्ली की 7 सीटों पर भी नजरें टिकी हुई हैं। पिछले दो लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजधानी की सभी सीटों को क्लीन स्वीप किया है। पिछले दस साल में दो बार विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी (आप) अपने सबसे बड़े गढ़ में लोकसभा चुनाव में खाता नहीं खोल पाई है। इस बीच, एक ताजा सर्वे में भविष्यवाणी की गई है कि इस बार आप की मुराद पूरी हो सकती है। हाल ही में आए एक ताजा सर्वे के मुताबिक इस बार कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ने से दिल्ली में आप का खाता खुल सकता है। इंडिया गठबंधन को 1-2 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि, दोनों दलों के साथ लड़ने की सूरत में भी भाजपा का दबदबा कायम दिख रहा है। भगवा कैंप को 5-6 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गई है। इससे पहले आए दो सर्वे में भी दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की पार्टी को 1-2 सीटें मिलने की बात कही गई है। ताजा सर्वे की मानें तो एनडीए को दिल्ली में 52.30 फीसदी वोट मिल सकते हैं। वहीं, आप और कांग्रेस को साझा रूप से 44.90 फीसदी वोट मिलने की भविष्यवाणी की गई है। अन्य के खाते में 2.80 फीसदी वोट जा सकते हैं।

'मोदी को मणिपुर जाना चाहिए था', बीजेपी पर निशाना साधते हुए बोले शरद पवार-

निर्वाचित सरकारों को गिराया जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि प्रधानमंत्री को मणिपुर जाना चाहिए था। इसके साथ ही उन्होंने कहा मणिपुर को लेकर प्रधानमंत्री गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा देश में लोगों को बांटने की राजनीति कर रही है। बीड में एक रैली में कहा उन्होंने साफ तौर पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर

जा कर वहां के लोगों की पीड़ा को जाननाचाहिए था। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर निसाना साधते हुए कहा कि आप स्थिर सरकार देने की बात करते हैं, लेकिन राज्यों में निर्वाचित सरकारों को गिरा देते हैं।

लालकिले से मोदी के दिए भाषण पर भी उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 15 अगस्त के दिन प्रधानमंत्री मोदी ने कहा 'मी पुन्हा येइन' (मैं फिर आऊंगा) मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि ऐसी ही बात महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने भी कही थी और वह सत्ता में आए लेकिन निचले पद पर। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं को आज जेल में डाला जा रहा है। सत्ता का दुरुपयोग ज्यादा दिनों तक नहीं चलता है।

वाघेला के बाद अब गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री बढ़ाएंगे भाजपा की मुश्किलें, आंदोलन का ऐलान

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला पहले ही भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं और अब एक और पूर्व मुख्यमंत्री भी मैदान में उतार आए हैं। 87 वर्षीय गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री सुरेश मेहता ने राज्य में नागरिक एवं संवैधानिक मुद्दों पर आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। पत्रकार परिषद में गुजरात और केन्द्र की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए सुरेश मेहता ने कहा कि अब लोग परिवर्तन चाहते हैं। वर्ष 1995 में बतौर भाजपा के मुख्यमंत्री के तौर पर 334 दिन गुजरात में शासन करने वाले सुरेश मेहता अब राज्य में जनजागृति अभियान चलाएंगे। मेहता ने कहा कि देश आज ऐसी स्थिति में पहुंच गया कि प्रत्येक न्याय प्रेमी, संवेदनशील और जागृत नागरिक गुजरात समेत देश में परिवर्तन चाहता है। लोकतंत्र के नाम पर तानाशाही और विकास के नाम पर विनाश कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। हांलाकि मेहता ने स्पष्ट किया कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे लेकिन परिवर्तन के लिए लोगों को जागृत करेंगे। उन्होंने कहा कि हम नागरिकों को फिर एक बार गुजरात स्वस्थ, सुरक्षित और समान समृद्ध राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इसके लिए लोगों को जागृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गुजरात का भविष्य कुपोषित और कमजोर है। पांच साल से कम आयु के बच्चों में कुपोषण के मामले में गुजरात देश में दूसरे पायदान पर है। जिस प्रकार प्राथमिक शिक्षा का स्तर घट रहा है और सरकारी स्कूलें सीमित कमरों की वजह से बंद हो रही हैं, उसका मतलब है साफ है कि राज्य सरकार शिक्षा का निजीकरण कर शिक्षा की जिम्मेदारी उठाना नहीं चाहती। मेहता ने कहा कि एक ओर महंगी शिक्षा प्राप्त कर विद्यार्थी डिग्री प्राप्त करता है वहीं दूसरी ओर भ्रष्टाचार के चलते नकली डिग्री कांड भी चल रहा है। बेरोजगारी के कारण राज्य के युवा ड्रग्स के आदी हो रहे हैं, बावजूद इसके सरकार राज्य में जप्त किए गए 5000 करोड़ के ड्रग्स को नष्ट कर उसकी उपलब्धियों पर गदगद हो रही है। पूर्व मुख्यमंत्री सुरेश मेहता ने कहा कि 'मेरा देश मेरी माटी' जैसे प्रचार अभियान बढ़ रहे हंत लेकिन युवाओं को देश में स्थायी होने और विदेश जाने से रोकने के कोई प्रयास नहीं हो रहे। गुजरात सरकार विश्वस्तरीय ढांचागत सुविधाओं का दावा भले ही करती है, लेकिन सच्चाई यह है कि युवा शिक्षा के लिए विदेश जाने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में किसानों की हालत काफी खराब है। नर्मदा का पानी गुजरात का जीवनदायिनी बनना था, लेकिन अब राजनीतिक उद्देश्य और उसके आर्थिक हितों की जीवनदायिनी बन गया है। सुरेश मेहता ने कहा कि भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, शिक्षा और धर्म के नाम पर की जा रही राजनीति लोकतंत्र की इमारत को कमजोर कर रही है।

बहनजी ने भतीजे आकाश आनंद को दी राजस्थान की जिम्मेदारी

-भतीजे को बहन का राजनैतिक वारिस के रुप में देखा जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी की 4 बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती को सभी मजबूत जमीन नेता मानते हैं। उनका एक मजबूत काडर है और ठोस वोट बैंक भी रहा है। इसके अलावा सामाजिक समीकरणों को साधते हुए वह सत्ता की राह तय करती रही हैं। रैलियां, पद यात्रा या धरना प्रदर्शन जैसे आयोजन बसपा मुश्किल ही करती है, लेकिन अब रणनीति कुछ बदली दिख रही है। मायावती ने भतीजे आकाश आनंद का एक और प्रमोशन करते हुए उन्हें चुनावी राज्यों की कमान सौंप दी है। इसके अलावा 14 दिनों की यात्रा भी उनके नेतृत्व में निकालने का फैसला लिया है। सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय संकल्प यात्रा 14 दिनों तक राजस्थान में निकलेगी।

राजस्थान के विधानसभा चुनाव के लिहाज से यह यात्रा अहम है। 2018 में बसपा के आधा दर्जन विधायक राज्य में जीते थे, लेकिन उन्हें कांग्रेस ने तोड़ लिया था। इस पर बहनजी ने नाराजगी जाहिर की थी। अब पदयात्रा और आकाश आनंद के बढ़े हुए कद से साफ है कि मायावती की रणनीति थोड़ी बदली है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए भी यह संकेत है कि बसपा अब पहले से अलग तरीके से मैदान में उतरेगी। आकाश आनंद को मायावती के राजनीतिक वारिस के तौर पर भी देखा जाता है। बीते एक साल से राजस्थान के मामलों को देख रहे हैं। उन्होंने आंबेडकर की जयंती पर भी 13 किलोमीटर लंबी एक पदयात्रा अलवर जिले में निकाली थी।

फिलहाल राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर काम कर रहे आकाश आनंद अगले कुछ सप्ताह में राजस्थान में 100 विधानसभाओं में जाकर 3000 किलोमीटर तक की यात्राएं करने वाले हैं। इनमें वे 6 सीटें भी शामिल होंगी, जहां से 2018 में पार्टी को जीत मिली थी। इसके अलावा 9 सीटों पर बसपा दूसरे नंबर पर रही थी। 14 दिनों तक चलने वाली यात्रा की शुरुआत धोलपुर से होकर जयपुर में इसका समापन होगा। कुल 33 जिलों से यह यात्रा गुजरेगी। आकाश के बढ़े हुए रोल को इस बात से समझा जा सकता है कि 9 अगस्त को वह भोपाल भी गए थे। बसपा की स्टेट यूनिट्स और मायावती के बीच आनंद एक लिंक के तौर पर काम कर रहे हैं।

अनुच्छेद-370 पर हुई सुनवाई, याचिकाकर्ताओं की ओर से दी गई दलीलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद-370 पर सुनवाई चल रही है। बहस के दौरान कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाने के लिए केंद्र सरकार की कानूनी शक्तियों और अपनाई गई प्रक्रिया के कथित दुरुपयोग को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। संविधान पीठ ने यह टिप्पणी याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता की दलील पर की। इससे पहले कोर्ट में छठे दिन की बहस शुरू करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि अनुच्छेद 370 ने तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को आंतरिक संप्रभुता दी थी। इसे अस्वीकार करने का मतलब है कि अनुच्छेद 370 खत्म करने से पहले वहां राष्ट्रपति शासन लगाना अपने उद्देश्य में विफल रहा है। गौरतलब है कि मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत की संविधान पीठ अनुच्छेद 370 पर सुनवाई कर रही है। इसमें राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने का मुद्दा भी शामिल है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने सुनवाई के दौरान जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन से सवाल किया कि अनुच्छेद 356(1)(सी) के संदर्भ में निरस्तीकरण की वैधता के सवाल से कैसे निपटा जा सकता है। अनुच्छेद 356 (1)(सी) भारत के राष्ट्रपति को किसी राज्य में संवैधानिक प्रावधानों को निलंबित करने की शक्ति देता है। इसके जवाब में वरिष्ठ अधिवक्ता धवन ने कहा कि उक्त प्रावधान को अनुच्छेद-3 (नए राज्यों के गठन की संसदीय प्रक्रिया) के तहत पढ़ा जाना चाहिए क्योंकि यह राष्ट्रपति को व्यापक शक्तियां देता है।

भारत के मुसलमान मूल रूप से हिंदू, बाद में हुए कनवर्ट : गुलाम नबी आजाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुलाम नबी आजाद ने कहा है कि भारत के मुसलमान मूल रूप से हिंदू हैं, बाद में कनवर्ट हो गए। जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम का यह बयान इस समय सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। पूर्व कांग्रेस नेता और डेमोक्रेटिव प्रोग्रेसिव पार्टी के प्रमुख गुलाम नबी आजाद का यह वीडियो एक जनसभा में भाषण देने के दौरान का है। इस वीडियो में गुलाम नबी आजाद जम्मू-कश्मीर के लोगों से कह रहे हैं कि हिंदू धर्म इस्लाम से पुराना है और सभी मुसलमान पहले हिंदू ही थे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा गुलाम नबी आजाद का वीडियो जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले का बताया जा रहा है। गुलाम नबी आजाद 9 अगस्त को यहां भाषण देने पहुंचे थे।

वीडियो में आजाद यह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि इस्लाम का जन्म 1500 साल पहले हुआ। भारत में कोई भी बाहरी नहीं है। हम सभी इस देश के हैं। भारत के मुसलमान मूल रूप से हिंदू थे। जो बाद में कनवर्ट हो गए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कश्मीर में 600 साल पहले केवल कश्मीरी पंडित थे, फिर कई लोग कनवर्ट होकर मुसलमान बन गए। इस दौरान आजाद ने लोगों से भाईचारा, शांति और एकता बनाए रखने का आग्रह करते हुए कहा कि धर्म को राजनीति के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। लोगों को धर्म के नाम पर वोट नहीं देना चाहिए।

वीडियों में गुलाम नबी आजाद ने कहा कि हम बाहर से नहीं आए हैं। इसी मिट्टी की पैदावार हैं। और इस मिट्टी में ही हमें खाक होना है। बीजेपी के किसी नेता ने जनसभा में कहा कि कौन बाहर से आया है, और कौन अंदर से आया है। मैंने उनसे कहा कि अंदर-बाहर से कोई नहीं आया है। हिंदुओं में जलाया जाता है। इसके बाद अवशेष दरिया (नदी) में डाल देते हैं। वह पानी अलग-अलग जगह जाता है। खेतों में भी जाता है यानी हमारे पेट में चला जाता है। आजाद को इस वीडियो पर अनेक लोगों की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

पड़ोसन भाभी आई एक्शन के मूड में, सीमा-सचिन के वकील पर ठोंकेंगी मुकदमा

-सचिन को 'लप्पू और झींगुर' कहने वाली मिथिलेश भाटी का साथ देने संगठन आगे आए

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। सचिन-सीमा के मामले में बयान देने वाली पड़ोसन भाभी अर्थात मिथिलेश भाटी अब इनके वकील पर मुकदमा ठोंकने वाली हैं। गौरतलब है कि सचिन मीणा और सीमा हैदर मामले में मीडिया से बातचीत के दौरान एक बयान देकर सुर्खियों में आईं मिथिलेश भाटी पर सचिन की बॉडी शेमिंग करने का आरोप लगा है। उन्होंने सचिन को 'लप्पू और झींगुर' बोला था। अब सचिन-सीमा के वकील एपी सिंह की ओर से मिथिलेश भाटी को मानहानि नोटिस भेजा गया है, जिसमें कहा गया है कि इस तरह की बातें बोलकर उन्होंने सचिन की सरेआम बेइज्जती की है, उसकी छवि खराब की है। पलटवार करते हुए इस मामले में अब मिथिलेश भाटी ने केस दायर करने का मन बनाया है। वह अपनी भाभी गीता भाटी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके मिथिलेश और गीता सीमा-सचिन के वकील एपी सिंह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की योजनी बना रही हैं। बताया जा रहा है कि करीब 10-12 वकील समर्थन में मिथिलेश-गीता से मिलने पहुंचेंगे।

यह जानकारी देते हुए गीता भाटी ने कहा कि मिथिलेश भाटी के समर्थन में अवध केसरी सेना और विश्व हिंदू महासभा के कार्यकर्ता भी पहुंचेंगे। बता दें ?कि मिथलेश भाटी रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के म्याना गांव की निवासी हैं। वह सचिन को जानती हैं। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था, जिसमें मिथिलेश कहती नजर आ रही हैं, 'लप्पू सा सचिन है, झींगुर सा लड़का, क्या है सचिन में?' यह वीडियो वायरल होने पर कई यू-ट्यूबर्स ने इस पर गाने तक बना दिए। उनकी कही बातें इंस्टाग्राम से लेकर ट्विटर-फेसबुक तक मीम्स, रील्स, मिमिक्री के रूप में वायरल हैं। वहीं वकील एपी सिंह की ओर से मिले नोटिस पर मिथिलेश का कहना है, 'देखी जाएगी, क्या करेंगे? फांसी लगवा देंगे, जेल भिजवा देंगे, कालापानी करवा देंगे, उससे ज्यादा तो कुछ होता नहीं।

मिथिलेश ने सचिन की बॉडी शेमिंग करने के आरोप पर कहा, 'मैंने कुछ नहीं कहा है। गलत तो तब होता है जब किसी से दुश्मनी

निकालनी हो और यह कहना है सोच के, मैं तो वहां पर खड़ी थी, मुंह पर माइक लगा दिया, मेरे मुंह में जो आया मैंने बक दिया और दो शब्द कहे हुए इतने वायरल हो गए। मिथिलेश का सपोर्ट करने वाली उनकी भाभी गीता भाटी का कहना है कि वह गांव की महिला है। उसने सचिन के लिए जो बोला है, वह उसने जानबूझकर नहीं बोला। मिथिलेश ने अपनी सफाई में कहा कि गांव की भाषा में यह रोजमर्रा की बोली है। गांव में जिसकी टांगें पतली होती हैं, उसको लप्पू या सरकंडा कह देते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला को कार के बोनट पर घसीटने का वीडियो वायरल, पुलिस कर रही जांच

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जयपुर, भाजपा नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में एक शख्स महिला को कार के बोनट पर घसीट रहा है, जबकि लोग उसे बचाने की कोशिश भी कर रहे हैं। यह वीडियो राजस्थान का बताया जा रहा है जिसमें एक कार चालक एक महिला को कार के बोनट पर करीब 500 मीटर तक घसीटता हुआ नजर आ रहा है। महिला को बचाने के लिए कई लोग कार के पीछे भागते भी दिख रहे हैं लेकिन ड्राइवर ने अपनी गाड़ी नहीं रोकी। पुलिस ने बताया कि कथित घटना बुधवार दोपहर हनुमानगढ़ के मुख्य बस स्टैंड के पास हुई। पुलिस ने बताया कि कई सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद कार का नंबर स्पष्ट हो गया, जो रावला के किसी व्यक्तिके नाम पर पंजीकृत है। पूरी घटना बस स्टैंड के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पुलिस महिला और कार चालक की तलाश कर रही है। इस बीच, पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने बुधवार को अपने एक्स हैंडल पर वीडियो साझा किया।

उन्होंने लिखा कि राजस्थान के हनुमानगढ़ में दिनदहाड़े बदमाश एक महिला को कार के बोनट पर घसीट रहे हैं। यह आपके कुशासन का नतीजा है। हालांकि पुलिस ने इस वीडियो पर संज्ञान लिया और आरोपी को खोजने में जुट गई है।

पत्नी के नाम कर दी सारी कमाई.. अपाहिज होने पर पत्नी ने ही साथ छोड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भरतपुर, राजस्थान के भरतपुर में एक ट्रक ड्राइवर की पत्नी ने अपने पति को सिर्फ इसकारण छोड़ दिया क्योंकि वह चल फिर नहीं सकता। दरअसल, शख्स के दोनों पैर एक सड़क हादसे में कट गए थे, इसकारण वह चलने में असमर्थ है। मामला डीग के पास पाडला गांव का है, जहां 48 वर्षीय व्यक्तिइन दिनों दर-दर की ठोकरें खा रहा है।

हादसे में पीड़ित के दोनों पैर चले गए। अपाहिज हुआ तब पत्नी ने भी साथ रखने से मना कर दिया। जानकारी के मुताबिक, पाडला गांव के रहने वाले उन्नस कुछ साल पहले का ट्रक ड्राइवर था। वह देश में एक जगह से दूसरे जगह सामान लेकर जाता था। जो कमाई होती वहां पत्नी को देता था। जमीन खरीदी तब वहां भी पत्नी के नाम खरीदी। लेकिन 4 साल पहले एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, उसमें उन्नस के दोनों पैर कट गए। कुछ साल तक इलाज चला और उन्नस बेड पर पड़ा रहा। इसके बाद पत्नी ने उस साथ रखने से मना कर दिया। जो पत्नी कुछ साल पहले तक जीने मरने की कसम खाती थी। वहां आज अपनी ही दुनिया में मस्त है।

उन्नस ट्राईसाइकिल पर न्याय के लिए एक जगह से दूसरी जगह धक्के खा रहा है। उन्नस ने कहा कि 25 साल पहले उसने कोटाकला गांव में जाहिदा से शादी की थी। जिसकी पहले से एक लड़की भी थी। फिर भी उसके साथ ससुराल कोटकला में रहने लग गया था। साल 2017 में उसके पैर कट गए। पैर कटने के बाद पत्नी रखने से मना कर दिया। उसके बेटे भी हैं, वे भी पत्नी के अनुसार चलते हैं। उन्नस ने कहा कि 10 दिन पहले उसने नौगांवा थाने में इस मामले की शिकायत दी। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

भारत भर में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार, सूचना का अधिकार अधिनियम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जयपुर:- वर्तमान में भारत भर में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार या उनका शोषण काफी चर्चा में है, इन्ही बातों को ध्यान में लेकर देश मे भर्ष्टाचार ओर आम जनता को अपने हक ओर हकों के लिए बने कानूनों को आम जनता तक पहुंचाने वाले ए क ब ड. संघठन लीगल अम्बिट ने समस्त विभागों में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872, पंचायतीराज अधिनियम1994, पुलिस एक्ट 2007 एवं अन्य कानूनों से जानकारियां जुटा कर जनता के टेक्स के पैसो के हो रहे दुरुपयोग को रोकने एवं आम जनता के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार को रोकने के लिए ये संगठन लीगल अम्बिट जनहित मे खूब काम कर रहे है । संगठन के रास्ट्रीय अध्यक्ष राव धनबीर सिंह ने कई अधिकारियों पर तो स्न्ढ्क्र तक दर्ज करवा कर उनके कार्य मे पारदर्शिता लाने के लिए कोर्ट तक ला खड़े कर दिए है। इसी कड़ी में जब संगठन के CEO महावीर पारीक को जानकारी मिली कि बैंकों में भी महिलाओं के साथ कई तरीकों से कई दुर्व्यवहार हो रहा है तो पारीक ने कई बैंकों (यूको,- BOB, SBI,BOI, IOB इतियादी बैंकों) से सूचना के अधिकार से ये जानना चाहा है कि आपकी समस्त बैंक शाखाओं में महिलाओं के साथ हुए अत्याचार(सेक्सुअल हरेशमेंट) की कुल कितनी शिकायते मिली और आपके द्वारा उनपर क्या कार्यवाही की गई।

लीगल अम्बिट देश के तमाम भर्ष्टाचार से लड़ने के लिए आम जनता को जागरूक करने का भी कार्य पिछले कई सालों से संघठित रूप से करते आ रहे है।

लापरवाही बरतने वाले 6 कार्मिक निलंबित

ईआरओ आदर्श नगर ने जारी किये निलंबन आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जयपुर, आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां शुरूकर दी है। वहीं, निर्वाचन संबंधी कार्य में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा रही है। इसी क्रम में जयपुर के आदर्श नगर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी अयूब खान ने मतदान सूचियों के द्वितीय विशेष पुनरीक्षण के कार्य में लापरवाही बरतने वाले ६ कार्मिकों को निलंबित कर दिया है।

ईआरओ आदर्श नगर ने बताया कि निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार मतदाता सूचियों के त्रुटिरहित प्रकाशन, नवीन मतदाताओं के पंजीकरण, आधार कार्ड को एपिक कार्ड से लिंक करवाने इत्यादि कार्यों हेतु वर्तमान में द्वितीय विशेष पुनरीक्षण का कार्य प्रगति पर है। कार्यक्रम के तहत मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन 21 अगस्त 2023 एवं अंतिम प्रकाशन 04 अक्टूबर को किया जाना है। उन्होंने बताया कि अध्यापक श्रीमती बबली शर्मा, श्री रामकिशन सोनी, वरिष्ठ सहायक श्री कल्याण सहाय मीणा, संजय दूदावत, कनिष्ठ सहायक श्री माधव अवतार काकोरिया, महेन्द्र सिंह राठौड़ को विधानसभा क्षेत्र आदर्शनगर में बीएलओ नियुक्त किया गया था। लेकिन कार्मिकों ने आदेश, नोटिस एवं अन्तिम नोटिस उपरान्त भी अपने उपस्थिति प्रस्तुत नहीं की। जिसके चलते चुनाव संबंधी आदेशों की अवहेलना करने पर उक्त बीएलओ को निलंबित कर दिया गया है।

प्रदेश के 130 उच्च माध्यमिक विद्यालयों में खुलेंगे नवीन संकाय

जयपुर ,राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में शैक्षिक उत्थान के लिए अहम निर्णय लिए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के १३० विद्यालयों में नवीन संकाय खोलने और विद्यालयों को क्रमोन्नत किए जाने के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा, वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर, ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com